नई दिल्ली
रविवार 19 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
षष्ठी वर्ष : 30, अंक : 91
पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00

मौसम
अधि. 37
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नौसेना ने जारी किया मालवन युद्धपोत का प्रतीक चिन्ह, केंद्र में बाघ के पंजे की तस्वीर
अगले सप्ताह 22 जुलाई को देश की समुद्री सेना के जंगी बेड़े में शामिल होगा यह युद्धपोत

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

नौसेना ने शनिवार को पनडुब्बी रोधी युद्ध-कौशल में माहिर उथले जल क्षेत्र में कार्रवाई करने वाले (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) मालवन युद्धपोत के शिखर (प्रतीक चिन्ह) का उद्घाटन किया है। जिसके केंद्र में 'बाघ के पंजे यानी बाघ नख' की एक अनोखी तस्वीर लगाई गई है। यह युद्धपोत अगले सप्ताह 22 जुलाई को नौसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होगा। कर्नाटक के कारवार में समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए .पी.सिंह करेंगे। नौसेना ने 18 जुलाई को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है।

साहस, निर्भीकता का प्रतीक : नौसेना की पोस्ट के मुताबिक, मालवन का बाघ के नख वाला यह प्रतीक चिन्ह साहस, चपलता और निर्भीकता का प्रतीक है। समुद्र में लहरों से घिरा हुआ यह जहाज अपनी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता है। साथ ही यह बताता है कि हमेशा सतर्क रहें और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में चुपचाप प्रहार करें।

सीएसएल ने किया निर्माण : मालवन युद्धपोत का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने देश के अंदर किया है। यह माहे श्रेणी का दूसरा एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी पोत है। जिसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री लगी हुई है। यह जहाज आत्मनिर्भर भारत विजन के तहत देश की बढ़ती हुई युद्धपोत डिजाइन के साथ निर्माण की क्षमता को भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करता है।

शिवाजी की वजह से प्रचलित हुआ बाघ नख

गौरतलब है कि बाघ का पंजा, भारतीय उपमहाद्वीप में प्रयोग किया जाने वाला एक पारंपरिक और छिपाकर रखे जाने वाला घातक हथियार है। जिसमें खासतौर पर लोहे के करीब चार-पांच घुमावदार ब्लेड होते हैं। जो मुट्ठी के आकार के आधार से जुड़े होते हैं, जिन्हें उंगलियों में छल्लों के माध्यम से पहना जाता है। देश के अंदर इस हथियार के प्रचलन का सबसे बड़ा कारण मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इसका प्रयोग किया जाना है। उन्होंने 1659 में प्रतापगढ़ युद्ध के दौरान बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खां के हमले के जवाब में अपने बचाव के लिए इसी बाघ नख का ही उपयोग किया था।

विक्रम-1 आसमान में प्रवेश करता हुआ

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी ने पहली ही कोशिश में अंतरिक्ष में जमाई 'जड़ें'

पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च, पीएम मोदी बोले-अंतरिक्ष में भी वंदेमातरम

2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग ⏩ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ने टीम को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन कुमार चंदना को फोन कर बधाई दी। इस रॉकेट के साथ पीएम मोदी का भेजा वंदे मातरम का संदेश भी अंतरिक्ष में स्थापित हुआ है। बातचीत के दौरान पीएम ने इसका कारण बताते हुए कहा कि देश वंदे भारत की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। साथ ही, वंदे मातरम ने हमेशा युवाओं को प्रेरणा दी है और आज का भारत इसी भावना से आगे बढ़ रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पदयात्रा से पहले दिग्विजय ने सोशल मीडिया से बनाई दूरी

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से

अयोध्या तक करीब 1,000 किमी की पदयात्रा शुरू कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया और मोबाइल से दूरी बना ली है। कहा कि यात्रा के दौरान वे राजनीतिक मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

अब आमिर खान को बिश्नोई गैंग की धमकी

नई दिल्ली। अभिनेता आमिर खान को भी जान से मारने की धमकी मिली है। पोस्ट और कथित

ऑडियो क्लिप में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताने वाले शख्स ने आमिर की गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी पर आपत्ति जताई गई है। एक्टर पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

राजधानी में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

आतंकवाद पर शून्य सहिष्णुता केवल घोषणा नहीं, यह भारत की कार्य नीति है: राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एक बार फिर से पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई भारतीय सशस्त्र सेनाओं की 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अभियान देश के सैन्य बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। जिसने आतंकवादियों और उनके पनाहगारों को मुंहतोड़ जवाब दिया। साथ ही इसने पूरी दुनिया के सामने देश की रक्षा तैयारियों को सिद्ध करते हुए बताया कि आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' महज एक घोषणा नहीं है। बल्कि ये सरकार की कार्य नीति है। जो देश की उस क्षमता को प्रदर्शित करती है। जिसमें वह न केवल अपनी सीमाओं पर, उसके बाहर भी आतंकवादियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सकता है। रक्षा मंत्री ने यह जानकारी एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है।

बड़े बदलावों से गुजरा रक्षा क्षेत्र: उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र ने राष्ट्र प्रथम और सेनाएं प्रथम की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र में किए गए बड़े बदलावों के जरिए इसे मजबूत बनाया है। अभियान में आकाश-तीर, आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस और अन्य अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया। यह बीते समूचे अंतराल के दौरान रखी गई मजबूत नींव का परिणाम है।

2029 में 3 लाख करोड़ होगा रक्षा उत्पादन

राजनाथ सिंह के मुताबिक, रक्षा उत्पादन और निर्यात को लेकर सरकार ने कुछ लक्ष्य निर्धारित किए हैं। जिनमें 2026 में हम इसे 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक तक पहुंचाना चाहते हैं। जबकि रक्षा निर्यात के लिए हमारी सोच 50 हजार करोड़ रुपए तक की बनी हुई है। वर्ष 2029 तक सरकार रक्षा उत्पादन को बढ़ाकर 3 लाख करोड़ रुपए तक ले जाना चाहती है। उन्होंने 2014 से बीते वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के वार्षिक रक्षा उत्पादन के आंकड़े को साझा करते हुए बताया कि पहले के 40 हजार करोड़ के मुकाबला अब यह कई गुना बढ़कर 1.78 लाख

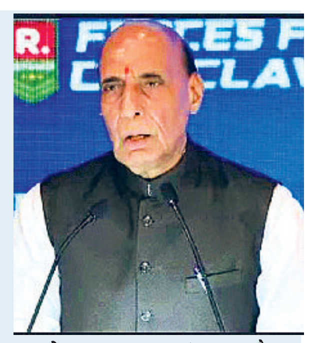

करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसी अवधि में रक्षा निर्यात 686 करोड़ से बढ़कर 38 हजार करोड़ तक जा पहुंचा है। वृद्धि को लेकर तय किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने को लेकर रक्षा मंत्री ने विश्वास जताते हुए कहा कि इससे आयात पर निर्भरता घटेगी।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए उठाए कदम

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा 509 रक्षा उपकरणों की 5 सकारात्मक सूचियां और रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा 5 हजार 12 वस्तुओं की 5 सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की जाएगी। जिससे इस अभियान को और अधिक गति मिलेगी।

आयात प्राथमिकता वाली सोच बदली

रक्षा मंत्री ने बताया कि देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार ने अपनी पुरानी सोच में परिवर्तन किया है। जिसमें आयात को प्राथमिकता दी जाती थी। 2014 से खासतौर पर हमारी कोशिश, प्रयास स्वदेशी हथियारों और आधुनिक तकनीकों के उत्पादन के जरिए रक्षा तैयारियों को सशक्त बनाने पर केंद्रित रहे हैं। जिसके लिए देश में एक ऐसा रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया गया है। जो घरेलू, अंतरराष्ट्रीय दोनों जरूरतों को पूरा कर सके। भारत की जमीनी हकीकत केवल उसकी सेना के आकार से नहीं, बल्कि मुश्किल समय पर अपनी रक्षा आवश्यकताओं को खुद की पूरा करने की क्षमता से तय होती है। अगर कोई देश हथियार, गोला बारूद, मिसाइल, रडार, ड्रोन व अन्य रक्षा उपकरणों के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। तो उसकी सामरिक स्वायत्तता सीमित हो जाती है। केंद्र इस परिस्थिति को लगातार बदलने की मंशा रखती है।

2047 तक विकसित भारत का संकल्प

उन्होंने कहा कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी की शताब्दी मनाएगा। तब पूरी दुनिया देश को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में नहीं, एक विश्वसनीय, आधुनिक और आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति के रूप में देखेगी। राजनाथ ने मौजूदा वर्ष को अमृतकाल का भारत बताते हुए कहा कि वह चुनौतियों से घबराता नहीं है। उन्हें अवसरों में तब्दील कर देता है। साथ ही यह अपनी सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं करता, वैश्विक शांति-स्थिरता में भी रचनात्मक योगदान देता है।

अहमदाबाद में बड़ा हादसा

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 8 की मौत

लाइसेंस रद्द होने के बाद भी चल रहा था कारखाना

हादसे के बाद आरएएफ के जवान राहत व बचाव कार्य में जुटे

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

यहां शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां के वस्त्राल क्षेत्र में रामोल-गतराद रोड पर स्थित टैलेंट फायरवर्क्स पटाखा फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। पटाखों के कारण हुए जोरदार धमाके की चपेट में आने से 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट और मनपा आयुक्त बच्छा निधि पानी प्रशासनिक ⏩ शेष पेज 5 पर

टीएमसी के बागी एनसीपीआई में शामिल लोकसभा सांसदों को फ्लोर लीडर्स की बैठक के लिए मिला निमंत्रण

- आज रविवार को मानसून सत्र से एक दिन पहले संसद भवन एनेक्सी में होगी बैठक संसद में सभी दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक
- केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने निमंत्रण भेजा, एनसीपीआई की ओर से सांसद सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष बैठक में शामिल होंगे

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके 20 लोकसभा सांसदों को मॉनसून सत्र से पूर्व रविवार शाम को होने वाली लोकसभा/राज्यसभा में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक के लिए बुलाया गया है। इन सांसदों की तरफ से टीएमसी से अलग हुए गुट की ओर से सांसद सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष इस सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेंगे। दोनों सांसद अब नेशनल सिटिज़न पार्टी ऑफ इंडिया के नाम से बने नए गुट का प्रतिनिधित्व करेंगे।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मॉनसून सत्र से पूर्व होने वाली सर्वदलीय बैठक के लिए नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ ⏩ शेष पेज 5 पर

उद्धव ठाकरे को जोर का झटका, छह बागी लोकसभा सांसद, अब शिंदे गुट के खाते में

- लोकसभा सदन में अब तृणमूल कांग्रेस के बागी 20 सांसद सदन में अलग बैठेंगे
- मानसून सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लिया फैसला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों की स्थिति पर फैसला लिया है। लोकसभा सचिवालय की तरफ से जारी सर्कुलर के अनुसार, शिंदे गुट में उद्धव गुट के छह बागी सांसदों के विलय को मंजूरी मिल गई है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसद सदन में अलग बैठेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष के फैसले से महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के छह सांसदों के विलय को लोकसभा सचिवालय ने मंजूरी दे दी है। इसके तहत शिवसेना यूबीटी के सांसद रहे संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपाल सिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टीकर अब शिंदे गुट के सांसद ⏩ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए गए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पुरस्कार समारोह में बोले रक्षा मंत्री

47 करोड़ तक जा पहुंचा ई-संजीवनी प्लेटफार्म द्वारा चिकित्सा परामर्श देने का आंकड़ा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किए गए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बीते कई वर्षों में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। जिसके तहत 2019 के बाद से लेकर आज तक ई-संजीवनी प्लेटफार्म द्वारा ऑनलाइन रूप से दिए जा रहे चिकित्सा परामर्श का आंकड़ा 47 करोड़ तक जा पहुंचा है। रक्षा मंत्री ने समारोह के दौरान पांच प्रतिष्ठित डॉक्टरों को चिकित्सा के क्षेत्र में दिए गए उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित भी किया। जिसमें डॉ.भारत अग्रवाल, डॉ.एके पटेल, डॉ.नवीन डांग, डॉ.एस.राजशेखरन और डॉ.सी.पी.ठाकुर शामिल हैं।

दीर्घकालिक निवेश से बनेगी बात

रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का मानना है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में किया जा रहा निवेश एक दीर्घकालिक निवेश होना चाहिए। न कि महज कल्याण के लिए दी जाने वाली धनराशि के रूप में इसे देखा जाना चाहिए। बीते 12 वर्षों में देश के स्वास्थ्य बजट में 194% का बड़ा उछाल देखने को मिला है। जो इस मामले में सरकार की प्रतिबद्धता को साफ तौर पर प्रदर्शित करने के लिए काफी ⏩ शेष पेज 5 पर

बागी नेता ममता दीदी के पास वापस लौटते हैं तो मैं एक घंटे में इस्तीफा दे दूंगा: अभिषेक बनर्जी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने टीएमसी के बागी नेताओं से वापस आने की अपील की है। उन्होंने कहा

शनिवार को कहा कि अगर वे दीदी ममता बनर्जी के नेतृत्व में वापस लौटते हैं तो वह (अभिषेक बनर्जी) एक घंटे में इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता बीजेपी के साथ एक 'डील' कर चुके हैं, जिसके तहत उन्हें पार्टी छोड़कर उन पर आरोप लगाने के लिए उकसाया गया है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के बागी नेताओं पर संगठन को कमज़ोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अगर वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में वापस आ जाएं, तो वे इस्तीफ़ा देने को तैयार हैं। पार्टी के भीतर चल रही बगावत पर बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि जो लोग टीएमसी छोड़कर चले गए थे और अब उन पर आरोप लगा रहे हैं, उन्हें ममता बनर्जी के पास वापस आ जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता वापस नहीं लौटेंगे क्योंकि उन्होंने बीजेपी के साथ डील कर ली है। उन्होंने कहा कि उन्होंने बीजेपी के साथ डील की है कि पार्टी छोड़ो, बागी गुट या बीजेपी में शामिल हो जाओ, और फिर अभिषेक बनर्जी पर आरोप लगाओ और उन्हें बुरा-भला कहो।

अभिजीत दीपके ने पुलिस पर लगाया पीटने का आरोप, मोदी को तानाशाह बताते हुए शुरू की भूख हड़ताल

दिल्ली पुलिस के जवान सुबह सादी वर्दी में सफेद चादरों के साथ मंच पर चढ़े और वांगचुक को अपने साथ ले गए

दिल्ली पुलिस ने भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरदस्ती अस्पताल में करा दिया दाखिल

जंतर मंतर पर ही एक महिला ने अभिजीत दीपके पर काली स्याही फेंकी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शनिवार की सुबह नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को हटाकर सफदर जंग अस्पताल में दाखिल करा दिया। इस दौरान कुछ देर के लिए धरना स्थल जंतर मंतर पर अफरा तफरी मच गई। दिल्ली पुलिस के जवान सादी वर्दी में सफेद चदरों के साथ मंच पर चढ़े और वांगचुक को अपने साथ ले गए। दीपके उस

समय मंच पर नहीं थे।

दिल्ली पुलिस ने इलाज की जरूरत और दिल्ली हाई कोर्ट का हवाला देते हुए उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गई है। पिछले 20 दिन से सोनम वांगचुक भूख-हड़ताल पर बैठे थे। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट में दिल्ली पुलिस पर पिटाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस ने मुझे पीटा और हिरासत में रखा। इसी बीच पुलिस द्वारा वांगचुक को भूख हड़ताल स्थल से हटाने के बाद दीपके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तानाशाह बताते हुए खुद भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। वहीं बाद में जंतर मंतर पर ही एक महिला ने अभिजीत दीपके पर काली स्याही फेंक दी जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

इसके अलावा वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंग्मो ने एक बयान में कहा कि वह सफदरजंग अस्पताल में हैं। उन्होंने कहा कि मैं साफ साफ कह रही हूं कि मेरी इजाजत के ⏩ शेष पेज 5 पर

पुलिस आयुक्त की दो टूकः सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने कार्यभार संभालते ही एक्शन मोड में काम शुरू कर दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में स्पेशल सी, जॉइंट सीपी और डिस्ट्रिक्ट डीसीपी स्तर के आला अधिकारियों के साथ शनिवार को पुलिस मुख्यालय में एक हाई लेवल समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य एजेंडा राजधानी की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और पुलिस विभाग की आंतरिक कार्यप्रणाली को दुरुस्त करना था।

सूत्रों ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने बैठक में भ्रष्टाचार के खिलाफ बेहद कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दागी और संदिग्ध छवि वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सीधे विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा आगामी संसद सत्र के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों और वीआईपी इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला पुलिस डीसीपी को अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसने और सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने के आदेश दिए, ताकि कानून-व्यवस्था पूरी तरह से नियंत्रण में रहे। सूत्रों ने बताया कि अनुराग कुमार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। पुलिस आयुक्त ने सभी जिला और यूनिट प्रमुखों को निर्देश दिया है कि शहर के किसी भी हिस्से में कानून व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए।

■ कमिश्नर ने हाई लेवल मीटिंग में कसे आला पुलिस अधिकारियों के पेंच

15 अगस्त को लेकर इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन मीटिंग जल्द

स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राजधानी दिल्ली को अभेद्य किले में बदलने की तैयारी भी दिल्ली पुलिस ने शुरू कर दी है। दिल्ली एनसीआर का सुरक्षा खाका तैयार करने के लिये जल्द ही इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन मीटिंग भी आयोजित होने जा रही है। प्रत्येक वर्ष इस उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता दिल्ली पुलिस आयुक्त ही करते हैं, जिसमें पड़ोसी राज्यों के आला पुलिस अधिकारियों और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के प्रतिनिधि हिस्सा लेते हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न राज्यों की पुलिस के बीच तालमेल को मजबूत करना होता है। इसमें उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुख्य तौर पर शामिल होते हैं। इसके साथ ही केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण इनपुट्स साझा करते हैं।

लक्ष्मी नगर को मिलेगा आधुनिक स्काईवॉक जल निकासी व्यवस्था होगी मजबूत : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लक्ष्मी नगर विधानसभा के व्यस्त चौराहे पर जल्द ही एक आधुनिक स्काईवॉक का निर्माण किया जाएगा और जल निकासी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रीकास्ट ड्रेन तकनीक का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। यह बात शनिवार को दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने के दौरान कही। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत लोक निर्माण एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को पूर्वी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक दौरा कर विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मुख्य सचेतक एवं लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा, पटपड़गंज के विधायक रविंद्र सिंह नेगी, त्रिलोकपुरी के विधायक रविकांत तथा शाहदरा के विधायक संजय गोयल, वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, स्थानीय नागरिकों से संवाद किया तथा वर्षों से लंबित नागरिक समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने पटपड़गंज हाईवे और झिलमिल अंडरपास का दौरा किया, जो लंबे समय से मानसून के दौरान जलभराव के प्रमुख स्थलों के रूप में जाने जाते रहे हैं। इस अवसर पर प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि मिंटो ब्रिज के बाद यदि दिल्ली में किसी स्थान की तस्वीरें और वीडियो हर बारिश में सबसे अधिक दिखाई देते थे, तो वह पटपड़गंज का यही इलाका था, जहां पानी में डूबी बसों की तस्वीरें आम बात बन गई थीं। मंत्री प्रवेश ने कहा कि सुनियोजित कार्ययोजना, विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय और लगातार निगरानी के कारण आज यहां उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल निकासी व्यवस्था, ड्रेनों की सफाई तथा जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए किए गए विभिन्न इंजीनियरिंग कार्यों की समीक्षा की।

स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले 10, 15 और यहां तक कि 20 वर्षों से लंबित विकास कार्यों को अब पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा अन्य इंजीनियरिंग एजेंसियां मिशन मोड में तेजी से पूरा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बदलाव में स्थानीय विधायकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, जो लगातार जनता की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचा रहे हैं। मंत्री ने इस दौरान घोषणा की कि लक्ष्मी नगर के व्यस्त चौराहे पर जल्द ही एक आधुनिक स्काईवॉक का निर्माण किया जाएगा, जिससे पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी।

■ 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत पूर्वी दिल्ली में विकास कार्यों का निरीक्षण, पटपड़गंज और झिलमिल अंडरपास में जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

मंत्री के सम्मुख स्थानीय विधायकों ने प्रीकास्ट स्टॉर्म वॉटर ड्रेन के निर्माण की आवश्यकता रखी

निरीक्षण के दौरान विभिन्न विधायकों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में प्रीकास्ट स्टॉर्म वॉटर ड्रेन के निर्माण की आवश्यकता भी रखी। इस पर मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार जल निकासी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रीकास्ट ड्रेन तकनीक का तेजी से विस्तार कर रही है। यह तकनीक कम समय में बेहतर गुणवत्ता के साथ निर्माण सुनिश्चित करती है और वर्षा जल निकासी की क्षमता को भी प्रभावी बनाती है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए स्थायी समाधान की दिशा में सरकार के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। दिल्ली में मानसून प्रबंधन में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि आज की दिल्ली और पहले की दिल्ली में बड़ा अंतर है।

जलभराव की लगभग 80 से 90 प्रतिशत समस्या का समाधान हो चुका

मंत्री प्रवेश ने कहा कि एक समय था जब लोग मंदिरों में जाकर प्रार्थना करते थे कि बारिश न हो, क्योंकि पूरे शहर में जलभराव का डर रहता था। आज हम लोगों से कहते हैं कि अच्छी बारिश की कामना कीजिए, क्योंकि दिल्ली में जलभराव की लगभग 80 से 90 प्रतिशत समस्या का समाधान किया जा चुका है। जिन स्थानों पर स्थायी इंजीनियरिंग समाधान की आवश्यकता है, वहां भी तेजी से कार्य किया जा रहा है और आने वाले समय में उनका भी स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री प्रवेश ने कहा कि 'सरकार आपके द्वार' अभियान का उद्देश्य शासन को कार्यालयों तक सीमित रखने के बजाय सीधे जनता और परियोजना स्थलों तक पहुंचाना है, ताकि विकास कार्यों की गुणवत्ता, गति और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

एटीएम उखाड़ने वाले इमरान मेवाती गैंग का बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की एजीएस टीम ने एटीएम उखाड़ने वाले इमरान मेवाती गैंग के एक वांछित सदस्य को पकड़ा है। इस भगौड़े बदमाश के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी हो चुका था। मंडावली में एटीएम उखाड़ने उखाड़ने के मामले का यह मुख्य साजिशकर्ता था। आरोपी पहले राजस्थान में दर्ज एटीएम उखाड़ने के कई मामलों में शामिल रहा है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किये गये बदमाश का नाम साजिद उर्फ भूरा बताया गया है। वह नूंह जिले का रहने वाला है। मंडावली थाना इलाके में 30 अप्रैल को एक केस दर्ज किया गया था। यह केस हिताची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कानूनी सलाहकार गौरव बैसला की शिकायत पर दर्ज हुआ था। यह कंपनी विभिन्न बैंकों के एटीएम के रखरखाव और कैश मैनेजमेंट का काम करती है। शिकायत के अनुसार वेस्ट विनोद नगर में लगे आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में आखिरी बार 29 अप्रैल को 22 लाख रुपये डाले गए थे। ग्राहकों द्वारा 2,67,400 रुपये के वास्तविक लेनदेन के बाद एटीएम में 19,32,600 रुपये की राशि शेष बची थी। 29/30 अप्रैल की रात सुबह 3 से 3 बजकर 20 मिनट के बीच अज्ञात लोगों ने गैस कटर का इस्तेमाल करके एटीएम मशीन को काटा और 19,32,600 रुपये नकदी लेकर भाग गए। क्राइम ब्रांच का एंटी गैंगस्टर स्क्वाड दिल्ली और आसपास के राज्यों में सक्रिय ऐसे अपराधियों पर नजर रखे हुये था। हाल ही में इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व वाली टीम को एक भरोसेमंद सूत्र से साजिद के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद एक टीम ने हरियाणा के नूंह जिले के ताउडू में नरेंद्र टेक्नो पार्क के पास जाल बिछाया। पुलिस टीम को देखते ही साजिद ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क रेडिंग टीम ने उसे तुरंत काबू कर लिया। पूछताछ में इसके नीमराना, जिला अलवर, राजस्थान में भी एटीएम उखाड़ने के मामले में शामिल होने का पता चला। इस मामले में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर एक एटीएम से 12 लाख 70 हजार 200 रुपये चुराये थे।

बाहरी दिल्ली में चोरी के 76 वाहन बरामद, 11 वाहन चोर पकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी जिले में वाहन चोरी के खिलाफ 72 घंटे का एक विशेष अभियान चलाकर चोरी के 76 वाहन बरामद किए हैं। इस मामले में तीन किशोरों सहित 11 कथित वाहन चोरों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिले भर में 'ऑपरेशन चक्र' के तहत संगठित वाहन चोर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए यह गोपनीय जानकारी पर आधारित एक अभियान चलाया गया। इसके तहत आपसी तालमेल के साथ छापे मारे गए, तकनीकी निगरानी की मदद ली गई, लावारिस छोड़े गए वाहनों की जांच की गई, पार्किंग क्षेत्रों की तलाशी ली गई और पुलिस गश्त को और तेज किया गया। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान के माध्यम से वाहन चोरी के 76 मामलों को सुलझाया गया है, जिसमें 75 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन बरामद हुआ है।

राज्यसभा सांसद डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया और सांसद डॉ. अलका गुर्जर का पालम गांव स्थित दादा देव मंदिर के सत्संग भवन में पालम 360 खाप की तरफ से अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह पालम 360 के अध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने किया इसमें दिल्ली देहात के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पूनिया और गुर्जर ने अपने संबोधन में भरोसा दिलाया कि दिल्ली देहात के मुद्दों को केंद्र सरकार और संबंधित मंचों पर पूरी मजबूती से उठाया जाएगा तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में दोनों राज्यसभा सांसदों का फूल-मालाओं, पगड़ी और स्मृति चिन्ह भेंट कर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान दिल्ली देहात के विकास, किसानों के हित और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। पालम 360 खाप के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया दोनों किसान परिवारों से जुड़े हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों राज्यसभा सांसद संसद में दिल्ली देहात के किसानों, ग्रामीणों और गांवों की समस्याओं को मजबूती से उठाएंगे।

■ पालम 360 खाप के प्रधान सुरेंद्र सोलंकी ने देहात की समस्याओं से सांसदों को कराया अवगत

बहन की गोली मारकर हत्या आरोपी कुछ ही घंटों में अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के गौतमपुरी में एक युवक ने अपनी बड़ी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका का नाम वसीमा (32) बताया गया है। हत्या पारिवारिक विवाद के चलते अंजाम दी गई। पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम मोहम्मद अनस (19) बताया गया है।

न्यू उस्मानपुर पुलिस को रात करीब आठ बजे घटना की सूचना मिली, जिसके तुरंत बाद एक टीम मौके पर पहुंची। वसीमा गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ी हुई मिली। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल की बारीकी से जांच के लिए क्राइम और फोरेंसिक टीमों को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की कानूनी जांच शुरू की गई। इस बीच, चौहान बांगर इलाके में गश्त कर रही पुलिस की टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देसी पिस्तौल और छह कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी बहन की हत्या करने की बात स्वीकारी। इसके बाद पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि पकड़ा गया संदिग्ध युवक ही न्यू उस्मानपुर में हुई हत्या के मामले से जुड़ा हुआ है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अफरोज उर्फ शफिबुल पुत्रः शफिकुल उर्फ शफिबुल पताः झुग्गी नं. एन–38, बी–148, सीडी पार्क, जहांगीरपुरी, दिल्ली** ने case **FIR No. 152/2024 U/s 25/54/59 Arms Act, थानाः जहांगीरपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अफरोज उर्फ शफिबुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अफरोज उर्फ शफिबुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 152/2024 U/s 25/54/59 Arms Act, थानाः जहांगीरपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अफरोज उर्फ शफिबुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 19.08.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री साहिल गुप्ता
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
उत्तर, कोर्ट नं. 6, भूतल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9721/NW/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीप शिखा सोल प्रोप. एसडी. इंजीटेक निवासी ए-93सी, राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र, मोहन नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, और 231/1, ग्राउंड फ्लोर, वसुंदरा, सेक्टर-1, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने केस **एफआईआर नं. 2161/2022, अंतर्गत धारा 138 एनआई एक्ट, थाना अशोक विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीप शिखा** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीप शिखा** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 2161/2022, अंतर्गत धारा 138 एनआई एक्ट, थाना अशोक विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दीप शिखा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
संयम जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 112, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/9756/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2)(ii)Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **पूरन चंद पुत्रः ओम प्रकाश, पताः** हरिजन चौपाल, वी.पी.ओ. खेरा डाबर, नजफगढ़, दिल्ली, **FIR No. 50/2024,10/2021, U/s 174A IPC, 323/325/506 IPC** थानाः जे.पी. कलाँ, नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि इन्होनें किया है) और इन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पूरन चंद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पूरन चंद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 50/2024,10/2021, U/s 174A IPC, 323/325/506 IPC,** थानाः जे.पी. कलाँ, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **पूरन चंद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–08
जिला दक्षिण–पश्चिम, कोर्ट नं. 314
जिला द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/9833/DW/2026
(Court Matter)

फायरिंग और हत्या के प्रयास में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दयालपुर पुलिस ने फायरिंग और हत्या के प्रयास केस में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पिस्टल और कारतूस भी बरामद हुये। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने घटना का एक झूठा काउंटर वर्जन बनाकर जांच को गुमराह करने की कोशिश भी की थी। हालांकि, बारीकी से तकनीकी विश्लेषण से इस मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया गया। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई को रात लगभग 8 बजे दयालपुर पुलिस को फायरिंग की सूचना मिली। पुलिस टीम तुरंत नेहरू विहार में बताई गई जगह पहुंची। हालांकि, कोई शिकायतकर्ता या घायल व्यक्ति या खाली कारतूस, गोली के निशान या खून के धब्बे जैसे कोई भौतिक सबूत नहीं मिले। तत्काल सबूत न मिलने के बावजूद पुलिस टीम ने लगातार तकनीकी और फील्ड जांच जारी रखी। बाद में घायल निखिल निवासी लोनी, गाजियाबाद का पता चला और उससे पूछताछ की गई। उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ पैसों के विवाद को सुलझाने के लिए दीपांशु उर्फ भूरा के ऑफिस गया था। बहस के दौरान मयंक शर्मा ने पहली मंजिल से पिस्तौल से गोली चलाई। गोली सड़क पर लगी और टकराकर वापस आई, जिससे पीड़ित घायल हो गया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी दीपांशु ने झूठी कहानी बनाने और जांच को भटकाने के लिए पीसीआर कॉल भी की थी। इसके बाद मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई और दोनों आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

पूठ खुर्द में दिनदहाड़े व्यक्ति की गोली मार कर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम दिल्ली के बवाना इलाके में शनिवार को मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने 45 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात पूठ खुर्द गांव में सुबह करीब आठ बजे अंजाम दी गई। मृतक की पहचान जोगिंदर उर्फ काला के रूप में हुई है। पुलिस हत्या का केस दर्ज कर हमलावरों की पहचान व गिरफ्तार करने की कोशिश में जुटी हैं।

डीसीपी शोभित डी सक्सेना के अनुसार बाहरी दिल्ली में बवाना थाना क्षेत्र स्थित गांव पूठ खुर्द में शनिवार सुबह करीब 8:15 बजे फायरिंग की सूचना मिली। शुरुआती जांच में सामने आया कि बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने जोगिंदर उर्फ काला पर कई राउंड फायरिंग की और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घायल जोगिंदर को तत्काल महर्षि वाल्मीकि अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बवाना थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिले की क्राइम टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मृतक घोषित बदमाश धर्मेंद्र का भाई बताया जाता है। हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आपसी रंजिश और गैंगवार के एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस मामला दर्ज कर आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

निजी स्कूलों की मान्यता के लिए आवश्यक प्रमाणपत्र की अनिवार्यता समाप्त, स्व-प्रमाणन व्यवस्था होगी लागू : सूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक कदम उठाते हुए निजी स्कूल खोलने के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त कर उसकी जगह स्व-प्रमाणन प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। इस बात की जानकारी दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दी है। सूद ने बताया कि उन्होंने इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। यह निर्णय शिक्षा निदेशालय, दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम एवं नियम, 1973 (डीएसईआर, 1973) के अंतर्गत वर्षों से लागू अनावश्यक प्रशासनिक प्रतिबंधों को समाप्त करेगा। उन्होंने कहा कि यह सुधार अनुपालन में कमी और विनियमन हटाने की प्रक्रिया के तहत गठित उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाना है। शिक्षा मंत्री सूद ने कहा कि यह निर्णय दिल्ली के विद्यालय मान्यता नियमों को केंद्र सरकार के 'बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009' के अनुरूप बनाता है। उन्होंने कहा कि आरटीई अधिनियम के अनुसार किसी भी विद्यालय को मान्यता उसके निर्धारित मानकों—जैसे आधारभूत संरचना, सुरक्षा व्यवस्था, योग्य शिक्षक तथा छात्र-शिक्षक अनुपात—के आधार पर दी जानी चाहिए। कानून में किसी क्षेत्र में विद्यालय की आवश्यकता अथवा पहले से मौजूद विद्यालयों की संख्या के आधार पर मान्यता देने या रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। इन्हीं विसंगतियों को दूर करने के लिए दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम, 1973 के निम्नलिखित प्रावधानों में संशोधन किया जा रहा है। इसमें नियम 44(3): पहले विद्यालय खोलने के इच्छुक आवेदक को पूर्व सूचना देनी होती थी तथा सरकार यह तय करती थी कि संबंधित क्षेत्र में नए विद्यालय की आवश्यकता है या नहीं। अब इस प्रावधान को समाप्त किया जा रहा है। नियम 50(2): पहले मान्यता प्रदान करने से पूर्व सरकार क्षेत्र में पहले से संचालित विद्यालयों की संख्या के आधार पर वास्तविक आवश्यकता का आकलन करती थी। अब इस प्रतिबंध को भी समाप्त किया जा रहा है। इन प्रक्रियागत सुधारों के साथ-साथ दिल्ली सरकार ने निजी विद्यालयों की स्थापना एवं पंजीकरण के लिए निर्धारित न्यूनतम भूमि क्षेत्र की अनिवार्यता में भी महत्वपूर्ण राहत देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली जैसे अत्यधिक घनी आबादी वाले महानगर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, जिससे गुणवत्तापूर्ण विद्यालय आवासीय क्षेत्रों के निकट स्थापित हो सकेंगे। साथ ही भवन सुरक्षा, आधारभूत संरचना एवं शैक्षणिक गुणवत्ता से संबंधित सभी निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

■ अब मान्यता देने में गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना, प्रशिक्षित शिक्षकों और उचित छात्र-शिक्षक अनुपात पर होगा ध्यान

महिला द्वारा स्याही फेंकने पर हुआ हंगामा

वांगचुक को हटाने के बाद दीपके ने शुरू की भूख हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को 20वें दिन शनिवार को दिल्ली पुलिस द्वारा हटा दिया गया। वांगचुक को हटाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके खुद भूख हड़ताल पर बैठ गए है। इससे पहले कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दीपके ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा मुझे पुलिस ने पहले ही एक दोस्त के घर जबरन रोक रखा था। इस दौरान मैंने पुलिस से कहा कि मुझे जंतर मंतर जाने दें लेकिन उन्होंने मुझे जबरन रोके रखा व मेरे साथ धक्का मुक्की भी की। दीपके ने कहा कि

जैसे की मुझे बताया कि तड़के जल्दी जंतर मंतर पर पुलिस पहुंच गई थी। जबकि सुबह 6 बजे के लगभग पुलिस ने वांगचुक का हटाया। उन्होंने आरोप लगाए कि पुलिस वाले सादे कपड़ों में आए थे और खुद को डॉक्टर बता रहे थे। उन्होंने स्वास्थ्य जांच के बहाने मंच पर पहुंचकर वांगचुक को सफेद रंग की चादरों के पीछे ढक दिया और उसके बाद जंतर मंतर पर पुलिस की संख्या देखते देखते बहुत ज्यादा हो गई। दीपके ने आरोप लगाए कि समर्थकों द्वारा विरोध करने पर पुलिस ने कईयों को पीटा, जमीन पर पटक कर घसीटा और अपशब्द भी कहे। उन्होंने कहा कि हमारा विरोध प्रदर्शन किसी भी कीमत पर रूकने वाला नहीं है। वहीं समर्थकों का कहना है कि सुबह सुबह सादे कपड़ों में मंच पर पहुंचे लोगों से पूछने पर उन्होंने कहा कि हमारे पास वांगचुक को अस्पताल ले जाने के लिए उच्च न्यायालय का आदेश है। ऐसे में हमने उनसे अनुरोध किया कि उनकी आवश्यक डॉक्टरी जांच पूरा होने तक आप इंतजार करें। लेकिन वह लोग नहीं माने और कैंप में अंदर आए और मंच पर चढ़े और कुछ ही देर में उनको साथ ले गए। समर्थकों का कहना है कि बेशक कोर्ट के आदेश तो दिखाते, इंतजार करते। प्रदर्शनकारियों का आरोप है वांगचुक को जबरन लेकर जाने के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिसमें कई लोग गिरे। आरोप में कहा कि पुलिस ने समर्थकों के साथ मारपीट की जिसके चलते कई लोग घायल हो गए। दीपके के भूख हड़ताल पर बैठने के बाद समर्थकों ने जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि दीपके तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ है। अधिकांश प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वह हर हाल में सोनम वांगचुक और दीपके के साथ है और रहेंगे। हम दीपके के नेतृत्व में यह आंदोलन आगे बढ़ाएगें।

दीपके ने जताई सीजेपी के प्रदर्शन को भी समाप्त करने की आशंका

दीपके ने आशंका जताई है कि जिस प्रकार वांगचुक को हटाया मुझे व मेरे समर्थकों को भी पुलिस रात के अंधेरे में जबरन हटा सकती है। दीपके ने एक संदेश जारी करते हुए लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज रात को ही जंतर मंतर पहुंचे क्योंकि पुलिस हमें भी यहां से हटा सकती है। उन्होंने कहा कि अगर आप सब लोग भारी संख्या में यहां आ गए तो फिर पुलिस की हिम्मत नहीं होगी कि वह हमें जंतर मंतर से हटा सके।

20 जुलाई का प्रस्तावित संसद मार्च नहीं रुकेगा

दीपके ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि पहले से प्रस्तावित संसद मार्च 20 जुलाई को ही होगा। उन्होंने कहा कि वांगचुक को जबरन हटाने के बाद सरकार यह न सोचे की हम टूट जाएंगे या हट जाएगें। धरना प्रदर्शन पहले की तरह ही चलता रहेगा और पहले से अधिक जोर शोर से होगा। दीपके ने कहा कि लोकतंत्र में अपनी आवाज रखने का सबका हक है। हम छात्रों के हक की आवाज उठा रहे है, वह भी शांतिपूर्वक। हालांकि इससे पहले सुबह के समय दीपके भावुक होकर रोने भी लगे थे और प्रदर्शन का क्या होगा को लेकर संशय प्रकट किया था।

महिला ने फेंकी स्याही, दीपके ने कहा नीला रंग मेरा पसंदीदा, जय भीम

शनिवार को जहां वांगचुक को हटाने से पहले से ही हंगामा मचा हुआ था। वहीं कुछ देर बाद समर्थकों को संबोधित करते समय अभिजीत दीपके पर उनके पास ही खड़ी एक महिला ने स्याही जैसा कोई तरल पर्दाथ फेंकने से माहौल और तनावपूर्ण हो गया। महिला द्वारा स्याही फेंकने की घटना के बाद एक बार फिर जंतर मंतर पर अफरातफरी का माहौल बन गया। दीपके के साथ खड़े अन्य समर्थकों ने स्याही फेंकने वाली महिला से कहा सुनी भी हुई। वहीं बाद में पुलिस ने महिला को हिरासत में लेने की बात कही।

गीतांजली ने दिया अस्पताल से वांगचुक का संदेश कहा वो चाहते है कि संसद मार्च न रुके

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने एक वीडियो क्लिप जारी करते हुए अभी रात के 8.20 बजे है और मैं वांगचुक की पत्नी गीतांजलि के साथ हुं। इस क्लिप में गीतांजली ने वांगचुक का संदेश देते हुए कहा है कि मैं अभी भी सफदरजंग अस्पताल में हूं वह (वांगचुक) बिल्कुल ठीक है। उनका संदेश है कि यह आंदोलन चलता रहे, आप सब डटे रहे। इसको जो अंजाम देना था, इसे वहां तक लेकर जाना है। गीतांजली ने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें ग्लूकोज लेने का कहा था, जिसे उन्होंने मना कर दिया। गीतांजली ने कहा कि उन्होंने अभी तक भी अपनी भूख हड़ताल नहीं तोड़ी है। उन्होंने बताया कि वांगचुक ने संदेश में कहा है कि सोमवार का जो संसद तक मार्च करना है वह रुकना नहीं चाहिए। खासकर युवाओं को वांगचुक ने धन्यवाद कहा है कि सब मिलकर लड़े। शांतिपूर्ण तरीके से जंतर मंतर पर पहले की ही तरह धरना प्रदर्शन चलता रहे। वहीं क्लिप में सौरव ने बताया कि वांगचुक को एक आपातकालीन चिकित्सा कक्ष में रखा है जहां 10-15 पुलिस वालों की तैनाती की गई है। सौरव दास ने कहा सोनम वांगचुक अस्पताल से छुट्टी पाने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें उनकी मर्जी के बिना वहाँ नहीं रखा जा सकता। वह जंतर-मंतर पर लोगों के बीच वापस आकर यह लड़ाई जारी रखना चाहते हैं।

वांगचुक ने कोई भी तरल पदार्थ, दवा लेने से किया इनकार: अस्पताल

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन शनिवार को सफरदजंग अस्पताल में भर्ती कराये गये सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने निर्जलीकरण और चयापचय संबंधी समस्याओं के बावजूद नसों के माध्यम से दिये जाने वाले तरल पदार्थ और किसी भी तरह की दवा लेने से इनकार कर दिया है। अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी लगातार चिकित्सकीय निगरानी की जा रही है और उनके स्वास्थ्य के हित को ध्यान में रखते हुए इलाज कराने के लिए उन्हें समझाया जा रहा है। अस्पताल ने स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि 59 वर्षीय वांगचुक को दिल्ली पुलिस अस्पताल लेकर आई और सुबह सात बजकर 40 मिनट पर भर्ती कराया गया।

अनशन पर बैठी नेहा ने लगाए गंभीर आरोप, बेहद डरावनी थी यह सुबह

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर ही अनशन कर रही एक अन्य युवती नेहा ने बताया कि आज की सुबह बेहद डरावनी थी। उन्होंने कहा कि जहां सब कुछ शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा हो, वहां सुबह के समय एकाएक पुलिस आए और अनशन पर बैठे वांगचुक को जबरन उठाकर ले जाए तो मन अंदर तक सिहर उठा। इस घटना के बाद लगभग एक डेढ़ घंटे तक तो हम खौफ में रहे। बाथरूम जाने में भी डर लग रहा था, पैर कांपते रहे। क्योंकि वांगचुक इस आंदोलन के बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा थे। उनसे हम सबको एक शक्ति मिलती रही कि अन्याय के खिलाफ लड़ने में पीछे नहीं हटना चाहिए। नेहा ने कहा कि अगर सरकार यह समझती है कि अब प्रदर्शन समाप्त हो जाएगा तो वह गलत है। क्योंकि

वांगचुक के जाने के बाद भी यहां अनेक छात्र जंतर मंतर पर बैठे है, जो पीछे नहीं हटने वाले।

लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना हमारा हक, मोदी इतिहास में कैसी छवि करवा रहे है दर्जः दहिया

सीजेपी प्रवक्ता विजेता दहिया ने कहा कि लोकतंत्र में हम विरोध धरना प्रदर्शन ही कर सकते है, जो कर रहे है। लेकिन सरकार हमारी बात सुनने को तैयार कहां है, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे वांगचुक को पुलिस जबरन उठा लेती है। लेकिन सरकार यह सुन लें कि हम नीट हो या कोई भी पेपर उसे लीक होने के मामले को सामान्य नहीं होने देंगे। सबसे पहले किसी भी ऑपरेशन को यह साबित करना होता है कि यह गलत है, अत्याचार है जिसे हम सहन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हम सरकार को बार बार एक ही संदेश दे रहे हैं कि आपने जो अहम की लड़ाई बनाई है उसे छोड़िए। क्योंकि आप लोकतंत्र से बनी सरकार हो, आपकी जिम्मेदारी है लोगों को भरोसा देने की कि जनता की बात सुनी जाएगी। इससे आपकी छवि बनेगा, लेकिन अब पीएम मोदी की छवि कैसी बन गई। मोदी इतिहास में दर्ज हो रहे है कि वह तानाशाही सरकार चला रहे है। इनकी नीतियां दमनकारी है,इन्हें आम जनता से कोई लेना देना नहीं है। मोदी इतिहास में नाम क्या इस तरह लिखवाना चाहते है कि एक तरफ छात्रों की मौत हो रही थी और वह चुप थे।

दिनभर बजती रही आइसा की ढपली, गाते रहे गीत

वांगचुक को जंतर मंतर से हटाने के बाद वामपंथी विचारधारा से प्रेरित छात्रों के संगठन आइसा के कार्यकर्ताओं ने मोर्चा संभाले रखा। आइसा की ढपली दिनभर बजती रही, कार्यकर्ता अपने ही अंदाज में गाते रहे। आइसा की सदस्य सूमोली ने कहा कि हम वांगचुक की आवाज को दबने नहीं देंगे। सीजेपी के साथ खड़े है, प्रदर्शन चलेगा और संसद मार्च भी होगा। वहीं एक सदस्य ने कहा कि सरकार की तानाशाही से लड़ना आज के युवाओं को खूब आता है। आइसा का एक एक सदस्य दिन रात छात्रों की लड़ाई में पीछे नहीं है।

पीएम मोदी ने अपने अहंकार में सोनम वांगचुक का अपमान किया : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर मंतर से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन उठाने को लेकर शनिवार को कहा कि पीएम मोदी ने अहंकार वश सोनम वांगचुक का अपमान किया। पीएम मोदी को सोनम वांगचुक से बात करनी चाहिए थी। देशवासियों को सोचना चाहिए कि क्या इसीलिए हमने आजादी ली थी कि एक दिन हमारी ही सरकार हमारे साथ बदसलूकी करेगी। सरकार पेपर लीक रोकने, शिक्षा व्यवस्था को ठीक करने की बजाय युवाओं का आंदोलन को बड़ी बेरहमी से कुचलने में लगी है। उन्होंने सोनम वांगचुक से कहा कि मजबूत बने रहिए सोनम, यह देश आपके साथ खड़ा है। साथ ही देशवासियों से कहा कि आज सोनम वांगचुक, अभिजीत दीपके और ये सारे युवा आपके बच्चों के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। अब घर बैठने से काम नहीं चलेगा। अब सबको एक होकर सड़कों पर उतरना होगा। तभी इस देश में कुछ बदलेगा। उठो और जंतर-मंतर चलो। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि ये हमारे देश के बच्चे हैं और इनके साथ इस तरह की बदसलूकी करना बिल्कुल सही नहीं है। ये बच्चे सिर्फ यही तो मांग रहे हैं कि उन्हें अच्छी शिक्षा व्यवस्था मिले, पेपर लीक न हों और देश में एक पारदर्शी व अच्छी परीक्षा व्यवस्था लागू हो। लेकिन इन बुनियादी मांगों पर ध्यान देने के बजाय सरकार का पूरा जोर इस बात पर है कि युवाओं के इस आंदोलन को कैसे फेल किया जाए, इसे कैसे बदनाम किया जाए और इसे कैसे अपमानित किया जाए। मैं प्रधानमंत्री से प्रार्थना करता हूं कि ऐसा मत करो और इतना अहंकार मत करो, क्योंकि इतना अहंकार अच्छा नहीं होता है। मैंने सुना कि उनके बाद अब अभिजीत दीपके भी अनशन पर बैठ गए। वहीं आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन उठाने के पीछे मोदी सरकार की घबराहट बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस से इंटेलिजेंस में चूक हुई और पुलिस ने 'कॉकरोच मूवमेंट' से जेन-जी के जुड़ाव को कम करके आंका। घबराहट में मोदी सरकार ने पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा को बदल दिया और नए कमिश्नर ने अपने पहले ही दिन सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह पिछले दो-तीन दिनों में बड़ी तेजी से देश भर के लोग सोनम वांगचुक की आवाज बने उससे सरकार डर गई। देश के युवाओं के लिए यह बड़ा मौका है। 20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद तक शांति पूर्वक मार्च करने जरूर आएं।

जंतर मंतर पर जेन जी आंदोलन नहीं बल्कि 'आप' का आंदोलन था : भाजपा

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत के बाद शनिवार को जो कुछ घटनाक्रम जंतर मंतर पर हुआ उसके बाद जिस तरह अरविंद केजरीवाल एवं सौरभ भारद्वाज से लेकर अभिजीत दीपके तक की ब्यानबाजी से यह साफ हो गया की यह कोई जेन जी आंदोलन नहीं बल्कि आम आदमी पार्टी (आप) की युवा शाखा का आंदोलन था। यह बात शनिवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश का पालन करते हुए दिल्ली पुलिस को अनशनकारी सोनम वांगचुक को उनकी बिगड़ती सेहत के चलते जंतर मंतर से अस्पताल ले जाना पड़ा और वहां उनकी लिखित स्वीकृति से उनकी जांच एवं स्वास्थ्य देखभाल हुई। उन्होंने कहा कि पिछले अनेक महीने से अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी के नेता युवा आंदोलन भड़काने की कोशिश कर रहे हैं पर उसमें विफल हैं। देश एवं दिल्ली के युवाओं को 2009 से 2013 का नाटकीय आंदोलन एवं उसके बाद आप सरकार का 10 साल के भ्रष्टाचार का काला चेहरा भलीभांति याद है और वह अब गुमराह होने वाले नहीं हैं। नीट परीक्षा को लेकर शुरू किए गये इस आंदोलन की हवा तब पूरी तरह निकल गई, जब गत माह जून में नीट परीक्षा सफलता से होने के बाद 2 दिन पूर्व 16 जुलाई को इसका रिजल्ट भी आ गया जिससे युवा पूरी तरह संतुष्ट हैं। मल्होत्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का काला चेहरा फिर से देश एवं दिल्ली के सामने आया जब उन्होंने शनिवार दोपहर 2.26 बजे पर सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट डालकर युवाओं एवं अभिभावकों से जंतर मंतर पहुंचने की अपील की पर घंटों बाद भी खुद वहां नहीं पहुंचे। इससे साफ है सत्तालोलुप अरविंद केजरीवाल केवल आंदोलन भड़काना चाहते हैं युवाओं की समस्याओं से उन्हें कुछ लेना देना नहीं है।

प्रदर्शनकारियों को सता रहा जबरन खदेड़े जाने का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- नये पुलिस आयुक्त की पहली बड़ी कार्रवाई

21 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर मंतर से जबरन सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण ढंग से अपना प्रदर्शन समाप्त करने और प्रदर्शन स्थल खाली करने की अपील भी की है। पुलिस कार्रवाई के बाद कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि इस कार्रवाई के दौरान कई अन्य प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिया गया और उनके साथ मारपीट की गई। उधर दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई को नये पुलिस आयुक्त की पहली बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा हैं। वांगचुक के बाद अन्य प्रदर्शनकारियों को भी अब जबरन खदेड़े जाने का डर सता रहा है दिल्ली पुलिस के बार बार अनुरोध पर भी सीजेपी कार्यकर्ता और उनके समर्थक धरना प्रदर्शन खत्म करने को राजी नहीं है। दिल्ली पुलिस लगातार उनसे धरना खत्म करने की अपील कर रही है। शनिवार सुबह जब कार्यकर्ता नहीं माने तो पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। सादी वर्दी में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने सफेद कपड़े की आड़ लेकर कुछ ही मिनटों में सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया। करीब 7 बजे जिस समय पुलिस सोनम को अस्पताल लेकर गई, उस वक्त दीपके वहां मौजूद नहीं थे। उस समय जंतर-मंतर पर महज 150 लोगों की भीड़ थी। उधर, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोनम वांगचुक की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए दिल्ली पुलिस पिछले पांच दिनों से लगातार बार-बार कार्यकताओं से अनुरोध कर रही थी कि वे उन्हें अस्पताल ले जाने दे लेकिन, वो लोग तैयार नहीं हो रहे थे।

जंतर-मंतर खाली करने की अपील

इस घटनाक्रम के बाद पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जंतर-मंतर पर मौजूद अन्य प्रदर्शनकारियों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि जंतर-मंतर पर डटे सभी प्रदर्शनकारी जल्द से जल्द और शांतिपूर्ण ढंग से इस स्थान को खाली कर दें। प्रशासन क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए हुए है।

शनिवार को जंतर-मंतर पर की गई यह कार्रवाई अनुराग कुमार के दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार संभालने के बाद पहली बड़ी कार्रवाई के रूप में देखी जा रही है। कुमार ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त का पदभार संभाला था।

नई दिल्ली जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश और डॉक्टरों की विशेषज्ञ चिकित्सा सलाह के बाद यह कदम उठाया गया है। पिछले कुछ दिनों से वांगचुक के स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी, जिसके चलते उन्हें आवश्यक चिकित्सीय देखभाल के लिए अस्पताल शिफ्ट करना पड़ा। पुलिस आधिकारी के मुताबिक जब पुलिस की टीम उच्च न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पहुंची, तो वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों ने इस प्रक्रिया में बाधा डालने और पुलिस का रास्ता रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच मामूली धक्का-मुक्की और हंगामा भी हुआ। प्रदर्शनकारियों द्वारा अवरोध पैदा करने के बावजूद पुलिस बल ने अत्यधिक संयम और सूझबूझ का परिचय दिया। बिना किसी बड़े विवाद के पूरी प्रक्रिया को बेहद सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करा लिया गया।

छोटू राम पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण, 3500 पौधे लगाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रोहिणी स्थित छोटू राम पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान में दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में नमो इम्पैक्ट के अतुल सिंघल, भाजपा नेता सत्यनारायण गौतम, अनिल राणा और ओम लॉजिस्टिक सप्लाई चेन के चेयरमैन अजय सिंघल विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके पर संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्राज ने आम जनता से इस अभियान से जुड़ने की भावुक अपील की। उन्होंने कहा, प्रकृति से जुड़ना और पर्यावरण को सुधारना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कोरोना काल का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किस

प्रकार ऑक्सीजन के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा था। जबकि पौधों से हमें ऑक्सीजन बिल्कुल मुफ़्त मिलती है, उसकी हम अहमियत नहीं समझते। कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों में प्रमोद नागपाल, अल्पना मिश्रा, एडवोकेट सत्य प्रकाश, सुभाष जांगिड़, सुभाष डावर, विनय कम्बोज, भीमसेन सभी आदि मौजूद थे। इस अवसर पर अतुल सिंघल ने पर्यावरण संतुलन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां की स्मृति में एक पेड़ लगाना न केवल उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य की नींव भी रखेगा। जबकि सत्यनारायण गौतम ने कहा कि जीवन की निरंतरता और प्रवाह को बनाए रखने के लिए वृक्षों का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाने तक सीमित न रहकर, उनके बड़े होने तक सतत देखभाल सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। इस महा-अभियान के दौरान पार्क परिसर में कुल 3500 पौधे रोपे गए। इनमें मुख्य रूप से छायादार, औषधीय और फूलों वाले पौधे शामिल हैं। आरडब्ल्यूए के प्रधान जैनेन्द्र आहूजा ने बताया कि सभी पौधों को ओम लॉजिस्टिक सप्लाई चेन ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधि के तहत निशुल्क उपलब्ध कराया है।

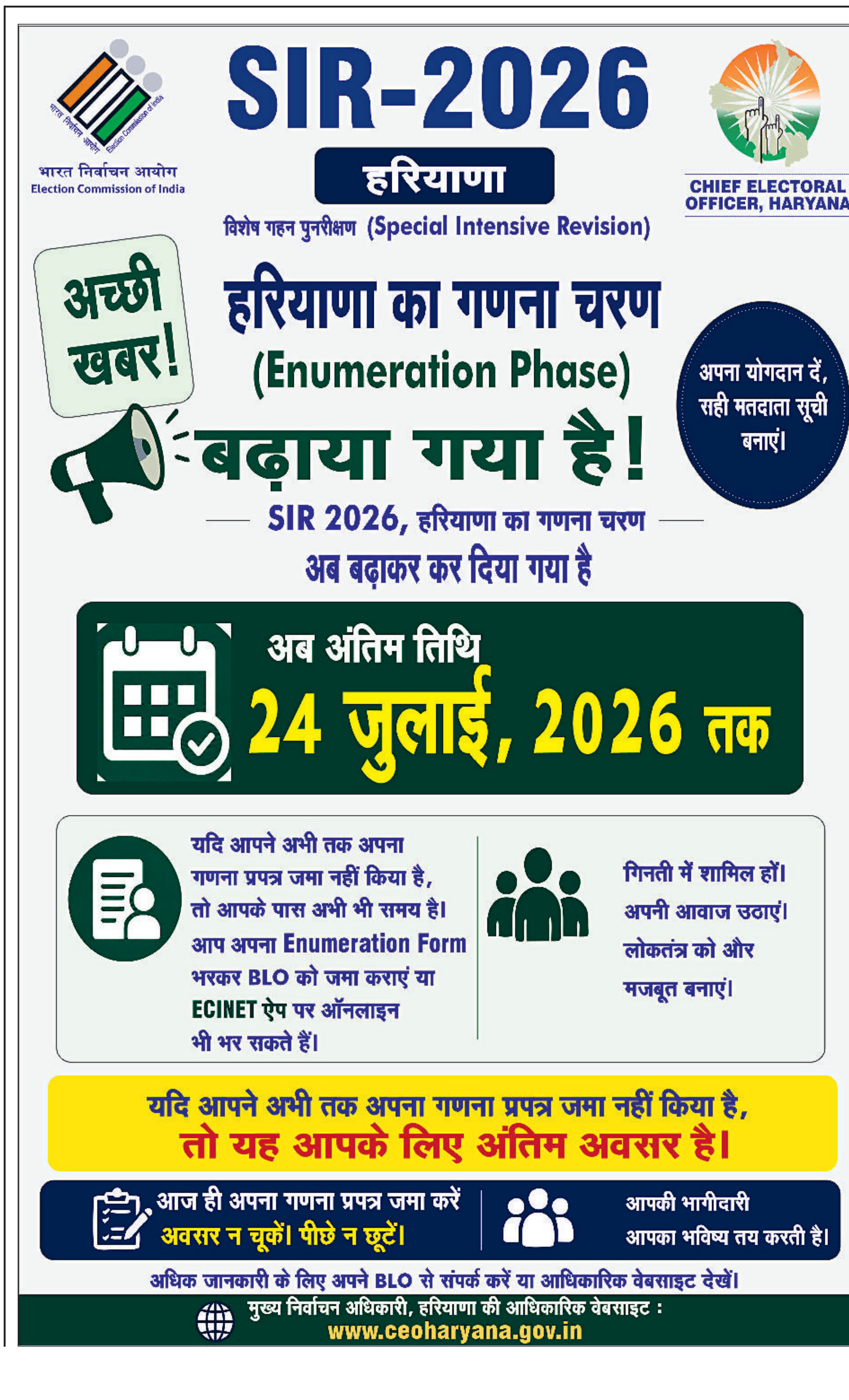

खबर संक्षेप

भय दिखाकर वसूले थे 81 लाख रुपए एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 8100000 रुपए वसुलने के मामले में कार्रवाई करते हुए दूसरी लेयर के एक खाताधारक को 17 जुलाई को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान नरेंद्र निवासी जिला झुन्झुन राजस्थान के रूप में हुई है। जिसको माननीय अदालत में पेश कर 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपी नरेंद्र दुसरी लेयर का खाताधारक है जिसने अपना खाता आगे ठगो को दिया था, खाता में ठगी के 79180 रुपए आये थे। आरोपी बीएससी की पढ़ाई कर रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रथम लेयर में दो बैंक खातों में 30 लाख रुपए और 51 लाख रुपए ट्रांसफर किये गये थे।

अवैध हथियार रखने वालों पर पुलिस का प्रहार जारी

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। 17 जुलाई को अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 देसी कट्टे बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार 18 जुलाई को अपराध शाखा एवीटीएस भूपानी की टीम ने उपेंद्र निवासी राजीव कालोनी डबुआ फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जा से एक अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ है। जिसके विरुद्ध थाना ओल्ड में मामला दर्ज किया गया है। इसी प्रकार क्राईम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने हेमंत निवासी गांव करनेरा फरीदाबाद को अवैध देसी कट्टा सहित दुर्गा बिल्डर पल्ला फरीदाबाद के पास से गिरफ्तार किया है। जिसके विरुद्ध पल्ला थाना में शस्त्र अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

श्री दूधेश्वरनाथ धाम में मुख्यमंत्री ने बटुकों व साधु-संतों से किया संवाद

मुख्यमंत्री योगी ने श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर में किया जलाभिषेक, प्रदेश में सुख-समृद्धि एवं लोकमंगल की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार प्रातः ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, आरोग्य एवं लोककल्याण की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर गाजियाबाद का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक शिवधाम है, जो सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक साधना एवं वैदिक परंपरा का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में स्थित शिवलिंगों पर भी पुष्प अर्पित किए और नंदी महाराज के दर्शन कर श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए तथा मठ परिसर में विराजमान संत-महात्माओं का कुशलक्षेम पूछा। इस अवसर पर मंदिर के पीठाधीश्वर, संत समाज एवं श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार एवं शिव स्तुति के मध्य संपन्न हुए पूजन कार्यक्रम ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में वेदाध्ययन कर रहे वेदपाठी बटुकों एवं संस्कृत शिक्षार्थियों से आत्मीय संवाद किया। विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक संस्कृति एवं संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञानधारा की वाहिका है, जिसके माध्यम से हमारी सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित होती आई है। मुख्यमंत्री ने मठ एवं मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया।

सीएम ने शिवलिंगों पर पुष्प अर्पित कर, की पूजा-अर्चना

मठ परिसर में संत-महात्माओं का कुशलक्षेम पूछा

स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में एक सशक्त पहल है

इको वन बनेगा हरित और स्वच्छता की नई पहचान कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर-17 में इको वन का शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी और स्वच्छता के सामूहिक संकल्प को मिलेगी नई दिशा बेस्ट लिवेबल सिटी के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है फरीदाबाद। हरित विकास और स्वच्छ वातावरण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने शनिवार को फरीदाबाद के सेक्टर 17 में इको वन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इको वन केवल पौधारोपण का एक प्रकल्प नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने की दिशा में एक सशक्त पहल है। ऐसे अभिनव प्रयास फरीदाबाद को क्लीन ग्रीन फरीदाबाद बनाने के संकल्प को मजबूती प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि यह हम सभी का फरीदाबाद है और इसकी हरियाली तथा स्वच्छता की जिम्मेदारी भी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं स्वच्छता का पालन करेगा और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेगा, तभी स्वच्छता एक जन आंदोलन का रूप लेगी। विपुल गोयल ने कहा कि इको वन पर्यावरण संरक्षण और विकास के समन्वय का सर्वोत्तम उदाहरण है। यह पहल न केवल शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार करेगी, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण, पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि क्लीन ग्रीन फरीदाबाद केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा एक व्यापक संकल्प है। जब सरकार और समाज मिलकर कार्य करेंगे, तभी शहर का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से पौधारोपण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के अभियानों में बढ़.चढक़र भाग लेने का आह्वान करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों के बल पर फरीदाबाद को देश की सबसे स्वच्छ, हरित और बेस्ट लिवेबल सिटी बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। इस अवसर पर पार्षद सचिन शर्मा, सेक्टर-17 आरडब्ल्यूए के प्रधान कलम जख्मी, ममता गुप्ता, बिक्रम चोपड़ा, राहुल गोयल, मनीष राघव, सुभाष आहूजा, सतीश कौशिक, विजय गौड़, देवेंद्र नागपाल सहित गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मकान खाली करने के नोटिस पर भड़के लोग

केंद्रीय मंत्री गुर्जर के ऑफिस पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर 22 स्थित शिव नगर और मुजेसर इलाके में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की जमीन पर मकानों को खाली करने के नोटिस के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के ऑफिस पर पहुंचे। जहां लोगों ने मंत्री से अपने लिए पुर्नावास की मांग की। मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि इसको लेकर अधिकारियों से बात की जाएगी।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अभियंता सुरेश कुमार के मुताबिक मुजेसर, सारन और सेक्टर-22 में गवर्मेंट प्रेस की करीब 6 एकड़ जमीन है। करीब 25 साल पहले गवर्मेंट प्रेस बंद होने के बाद यह जमीन केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर हो गई थी। विभाग की ओर से जमीन का कोई उपयोग नहीं किया गया। कोर्ट की ओर से आदेश होने के बाद अब इस जमीन को खाली कराने के लिए नोटिस लगाए गए है। विभाग के मुताबिक 26 जुलाई से तोड़फोड़ का काम शुरू करने का दावा किया है। केन्द्रीय राज्य मंत्री गुर्जर के निवास पर पहुंचे सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और लोगों ने कहा कि उनको पहले रहने के लिए घर दिए जाए, ताकि उनके घर से छत ना छिन सके। उन्होंने कहा कि वह पिछले 30 से 40 सालों से यहां पर रह रहे है। ऐसे में नोटिस मिलने के बाद लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

20 प्रतिशत बोनस की मांग, 6 हजार वर्करों की स्ट्रेंथ

शाही एक्सपोर्ट कंपनी के कर्मचारियों ने काम छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेक्टर-28 स्थित शाही एक्सपोर्ट कंपनी में सैकड़ों कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मी काम छोड़कर कंपनी के बाहर एक पार्क में इकट्ठा हो गए। महिला कर्मचारी कंपनी के गेट के पास ही बैठ गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कंपनी पहले सैलरी के साथ 20 परसेंट बोनस देती थी। जिसे अब घटाकर 8 परसेंट कर दिया है। कंपनी अपने फायदे के लिए लगातार कटौती कर रही है। कंपनी प्रशासन ने हंगामा बढ़ता देख पुलिस बुला ली। पुलिस ने भी कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया, मगर उन्होंने बोनस न बढने तक काम पर लौटने से इनकार कर दिया। सेक्टर-28 स्थित आनंद आहूजा की कंपनी शाही एक्सपोर्ट लेडी क्लोथिंग एक्सपोर्ट का काम करती है।

जीन्स धुलाई की फैक्ट्री में लूट के मामले में एक आरोपी धराया

आरोपी को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

थाना खेड़ीपुल क्षेत्र के अंतर्गत जस्सी कॉलोनी स्थित जीन्स धुलाई की फैक्ट्री में लूट करने के मामले में क्राईम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान रौनक निवासी गांव बसंतपुर पल्ला फरीदाबाद के रुप में हुई है जिसको 17 जुलाई को सेक्टर-29 पुल से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार राम सिंह निवासी सेक्टर-85 ने थाना खेडीपुल में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने जस्सी कालोनी में जीन्स धुलाई की फैक्ट्री लगा रखी है, जिसमें अजय, हिमांशु व अन्य काफी समय से नौकरी कर रहे है, काम ज्यादा होने की वजह से उसने रौनक व उसके एक अन्य साथी को दैनिक मजदुरी पर बुलाया था, 14-15 जुलाई की रात को उसके पास नौकर अजय का फोन आया कि रोनक अपने साथियों के साथ फैक्ट्री से करीब 2800 जीन्स चुरा ले गया। जिस संबंध में थाना खेडीपुल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी रौनक 4-5 दिन से दैनिक मजदूरी पर फैक्ट्री में काम करने आया था, उसे पैसो की जरुरत थी, जिसके चलते उसने अपने 3 भाईयों व अन्य साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई और 14-15 की रात को आरोपी अपने 7-8 अन्य साथियों के साथ टेम्पों लेकर फैक्ट्री पर आया, फैक्ट्री पर अजय व हिमांशु मौजुद थे।

कारोबारी से 1.53 लाख लूटे, स्कूटी सवार तीन युवकों ने धक्का देकर गिराया

फरीदाबाद। एनआईटी क्षेत्र में देर रात एक शराब कारोबारी के साथ लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। डबुआ चौक स्थित शराब के ठेके को बंद कर घर लौट रहे कारोबारी को स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने रास्ते में घेर लिया। बाइक समेत सड़क पर गिरा दिया और 1 लाख 53 हजार रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दो नम्बर एनआईटी निवासी चरण सिंह डबुआ चौक पर किंग लिडुआर नाम से शराब का ठेका संचालित करते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **क्रम सं०:– 1, ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण:–** टेण्डर नं. – "10–जीकेपी–एमडब्लूएस–2026–27–1" "एएमसी ऑफ व्हील माउंटेड डिस्क ब्रेक सिस्टम ऑफ वन्दे भारत कोचेज (एम/एस नोर्र ब्रेमसे मेक) फॉर रेक नंबर–आईसी–2023 एंड आईसी–2024 इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर" **अनुमानित लागत (रू० में):–** 30276893.62, **धरोहर राशि (रू० में):–** 605500.00, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि:–** 11.00 बजे 08.08.2026, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:–** रू० शून्य, **संविदा की अवधि:–** 12 माह, उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **http://www.ireps.gov.in** पर देखे।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./कार्य
मुजाधि/यांत्रिक–54 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

संवाद के समापन पर विचार-विमर्श शुरू करने की घोषणा की गई

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर विशेषज्ञों ने पारदर्शिता पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत और ब्रिटेन के बीच तेजी से विकसित हो रहे व्यापारिक संबंधों और प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर विशेषज्ञों ने पारदर्शिता, व्यापक जन-परामर्श और औपनिवेशिक इतिहास की समझ को आवश्यक बताया। उरजू मीडिया द्वारा आयोजित सार्वजनिक संवाद 'टर्म्स ऑफ ट्रेडः इंडिया, ब्रिटेन एंड द लॉन्ग शैडो ऑफ एम्पायर' में वक्ताओं ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को केवल व्यापार और कूटनीति के नजरिए से नहीं, बल्कि साझा औपनिवेशिक इतिहास और उसके दीर्घकालिक प्रभावों के संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में पारदर्शिता और सार्वजनिक विमर्श को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इतिहास की स्पष्ट समझ बेहतर नीति-निर्माण और मजबूत सार्वजनिक संस्थानों के निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। संवाद के समापन पर औपनिवेशिक पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस' स्थापित करने का आह्वान किया गया।

भारत में हर वर्ष 12.5 लाख लोग स्ट्रोक का शिकार होते हैं

स्ट्रोक मरीजों के लिए मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने शुरू की अत्याधुनिक थेरेपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स, गुरुग्राम ने स्ट्रोक और अन्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के मरीजों के लिए अत्याधुनिक आरटीएमएस थेरेपी की शुरुआत की है। यह आधुनिक, गैर-आक्रामक तकनीक स्ट्रोक के बाद मरीजों की रिकवरी और रिहैबिलिटेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत में हर वर्ष करीब 12.5 लाख लोग स्ट्रोक का शिकार होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर उपचार के साथ प्रभावी रिहैबिलिटेशन मरीजों की जीवन गुणवत्ता में बड़ा सुधार ला सकता है। इसी उद्देश्य से मारेंगो एशिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो एंड स्पाइन (एमएआईआईएनएस) ने इस तकनीक को अपने न्यूरोसाइंस कार्यक्रम में शामिल किया है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट एवं एमएआईआईएनएस के चेयरमैन डॉ. प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आरटीएमएस थेरेपी मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देती है, जिससे स्ट्रोक के बाद मोटर क्षमता, हाथों की कार्यक्षमता और बोलने से संबंधित समस्याओं में सुधार संभव है। इसका उपयोग कुछ मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे डिप्रेशन और ओसीडी के उपचार में भी किया जाता है।

जुआ अधिनियम के अंतर्गत अलग-अलग मामलों में 4 गिरफ्तार

फरीदाबाद। जिले में सट्टा खाई करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसके चलते 17 जुलाई को फरीदाबाद पुलिस की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 4 को गिरफ्तार कर 6990 रूपए की राशि बरामद की है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा की टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि अनखीर सब्जि मंडी के पास सट्टा खाई की जा रही हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने मौके पर रामकिशोर वासी बदरपुर दिल्ली को 2020 रुपए सहित सट्टा खाई करते हुए गिरफ्तार किया। दीपक गुलाटी निवासी न्यू जनता कालोनी फरीदाबाद को मेवला महाराजपुर अंडरपास के पास सट्टा खाई करते हुए गिरफ्तार किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1.साहिल कुमार पुत्रः** राजेश, **निवासः** A-30, केवल पार्क, आदर्श नगर, दिल्ली **2.कमल किशोर भट्ट पुत्रः** बिरदेन भट्ट, **निवासः** A-215, मजलिस पार्क, बंजारे वाली गली, गाँवः बड़ोला, आदर्श नगर, दिल्ली ने **FIR No 511/2015, U/s 392/397/34 IPC., थानाः जहाँगीरपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1.साहिल कुमार 2.कमल किशोर भट्ट** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1.साहिल कुमार 2.कमल किशोर भट्ट** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No 511/2015, U/s 392/397/34 IPC., थानाः जहाँगीरपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1.साहिल कुमार 2.कमल किशोर भट्ट** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ज्योति नैन
जेएमएफसी, कमरा नं. 06
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9904/NW/2026
(Court Notice)

सीएम योगी ने 91.29 करोड़ लागत की परियोजनाओं लोकार्पण किया

परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद अब उन्हें मूर्त रूप देने में जुटा जीडीए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गाजियाबाद भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं आधारभूत संरचना से संबंधित विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। अब जीडीए अधिकारी सभी योजनाओं को मूर्त रूप देने में जुट गए हैं।

जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल का कहना है कि जिन विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है, उन्हें गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण(जीडीए) की लगभग 91.29 करोड़ लागत की 4 पूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण तथा लगभग 505.11 करोड़ लागत की 19 नई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। 596.40 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं को नई गति प्रदान की गई।

शिलान्यास की प्रमुख परियोजनाएं

- मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद के समग्र शहरी विकास को नई दिशा देने वाली अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनमें प्रमुख हैं—
- हापुड़ चुंगी फ्लाईओवर का निर्माण, जिससे शहर के प्रमुख चौराहे पर यातायात जाम में उल्लेखनीय कमी आएगी।
- राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण, जिससे पार्किंग समस्या का स्थायी समाधान होगा।
- मेरठ रोड से आउटर रिंग रोड को जोड़ने वाली ₹हम-तुम रोड (C-24 जोनल रोड)₹ का चौड़ीकरण, ड्रेनेज एवं सीवर लाइन निर्माण।
- हापुड़ रोड से मधुबन बापूधाम थाना तक NDRF रोड एवं नाले का निर्माण।
- प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों हेतु ओवरहेड टैंक, ट्यूबवेल, पंप हाउस एवं राइजिंग मेन का निर्माण।

लोकार्पित प्रमुख परियोजनाएँ

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत मधुबन बापूधाम योजना में निर्मित 856 ईडब्ल्यूएस आवासों का लोकार्पण किया। यह परियोजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत मधुबन बापूधाम योजना एवं राजस्व ग्राम निवाड़ी योजना के एक-एक चयनित लाभार्थी को उनके आवास की प्रतीकात्मक चाबी प्रदान की। मधुबन बापूधाम योजना के लाभार्थी कृष्ण कुमार को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आवास की प्रतीकात्मक चाबी प्रदान की गई। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से उनका सम्मानजनक एवं सुरक्षित आवास का सपना साकार हुआ है। इसके अतिरिक्त राजस्व ग्राम निवाड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 528 ईडब्ल्यूएस आवासों का भी लोकार्पण किया गया, जिससे निम्न आय वर्ग के परिवारों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध होंगे।

निटरा टेक्निकल कैंपस में आईसीईटीए-2026 का समापन

गाजियाबाद। निटरा टेक्निकल कैंपस, गाजियाबाद में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़ एंड देयर एप्लीकेशंस के दूसरे एवं अंतिम दिन देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मनोज शर्मा, बायोस्टैटिस्टिक्स विशेषज्ञ (अमेरिका) के ऑनलाइन व्याख्यान से हुआ, जिसमें उन्होंने डेटा एनालिटिक्स, सांख्यिकीय मॉडलिंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. संदीप पोद्दार, डिप्टी वाइस चांसलर (रिसर्च एंड इनोवेशन), लिंकन यूनिवर्सिटी कॉलेज, मलेशिया ने अनुसंधान, नवाचार तथा वैश्विक शैक्षणिक सहयोग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रिजवान पुत्र मुन्ने निवासी गली नंबर 14, शास्त्री पार्क, शाहदरा, दिल्ली और शाहरुख उर्फ समीर पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी जी–380, शहीद नगर, चिकाम्बेरपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 119/2019 U/S 379/34 IPC, अन्तर्गत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रिजवान और शाहरुख उर्फ समीर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रिजवान और शाहरुख उर्फ समीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 119/2019 U/S 379/34 IPC, अन्तर्गत थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रिजवान और शाहरुख उर्फ समीर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी– 11
केंद्रीय जिला, न्यायालय संख्या 138, प्रथम तल
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/9727/N/2026(Court Matter)

खबर संक्षेप

पकड़ा गया 25 लाख का ईनामी अजय महतो

रांची। झारखंड पुलिस ने प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली अजय महतो उर्फ टाइगर को गिरिडीह गिरफ्तार कर लिया। संगठन की स्पेशल एरिया कमेटी का सदस्य अजय महतो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ था। अजय को हरलाडीह इलाके से पकड़ा गया। उसके साथ दो अन्य नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

बिहार में डीएम व बीडीओ के ट्रांसफर से केंद्र खफा

पटना। बिहार में हाल के दिनों में हुए बड़े पैमाने पर प्रशासनिक अफसरों के तबादलों पर केंद्र सरकार ने आपत्ति जताई है। सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने विभिन्न विभागों के साथ जिला व प्रखंड स्तर के बड़ी संख्या में अफसरों का तबादला किया था। इनमें कई ऐसे अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्हें साल 2027 की जनगणना के कार्य में जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं।

उत्तर प्रदेश में बड़ा दांव खेलेंगे चिराग पासवान

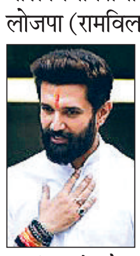

नोएडा। यूपी में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए लोजपा (रामविलास) ने कमर कस ली है। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित इंडिया एक्सपो एंड सेंटर मार्ट में आयोजित 'मिराकी' कार्यक्रम के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बड़ा चुनावी एलान किया। कहा कि पार्टी यूपी की सभी 403 विस सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

राम मंदिर दान चोरी

53 पैन नंबरों के ब्योरे खंगालेगी पुलिस इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से मांगी डिटेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

अयोध्या के श्री राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही पुलिस ने 53 परमानेंट अकाउंट नंबरों का विवरण आयकर विभाग से मांगा है। ये सभी पैन गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों और उनके परिजनों-करीबियों से जुड़े हैं। आयकर विभाग से इन पैन के जरिए दो वर्षों में हुई खरीद फरोख्त, निवेश की जानकारी की पड़ताल करेगी। पुलिस आठ आरोपियों और उनसे जुड़े 45 संदिग्ध लोगों के इन विवरण से अपनी वित्तीय जांच को पुख्ता करेगी। पुलिस इन संदिग्ध लोगों के लेनदेन को खंगाल रही है ताकि चोरी की रकम के इस्तेमाल का पूरा ब्योरा सामने आ सके। जांच को व्यापक बनाने पुलिस ने आयकर विभाग से सहयोग मांगा है। अधिकारियों को आशंका है कि चोरी की रकम शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या रियल एस्टेट में निवेश की गई हो। इसी संभावना को ध्यान में रखते हुए वित्तीय लेनदेन की गहन पड़ताल की जा रही है। पुलिस शहर के सदर तहसील क्षेत्र के साथ सोहावल तहसील, सरयू नदी पार गोंडा जनपद के तरबगंज तहसील के नवाबगंज क्षेत्र में सक्रिय जमीन कारोबारियों के रिकॉर्ड भी खंगाल रही है।

दोषियों को कठोरतम सजा दिलाने के निर्देश

दलित छात्रा ललिता गौतम के शोकाकुल परिजनों से मिले सीएम, घटना पर जताया दुःख, कहा- दोषी बचेंगे नहीं

पीड़ित परिवार को 5 लाख , आवास व योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ की दिवंगत दलित छात्रा ललिता गौतम के परिजनों से गाजियाबाद स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में मुलाकात कर घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इस जघन्य अपराध के प्रत्येक दोषी के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने प्रकरण की विवेचना में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अभियोजन की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करते हुए दोषियों को कठोरतम दंड दिलाने के लिए सभी आवश्यक विधिक कदम उठाने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को तत्काल राहत प्रदान करते हुए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 5 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतका के पिता तथा परिवार के एक अन्य पात्र सदस्य को मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि पीड़ित परिवार को आयुष्मान भारत योजना, राशन कार्ड सहित सभी पात्र लाभार्थीपरक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि परिवार को हरसंभव सहयोग मिल सके।

सीएम योगी ने दी 569 करोड़ की 66 विकास परियोजनाओं की सौगात

अब संभल में तुर्क की तुर्कई नहीं चलेगी हरिहर भगवान की मर्जी से होगा काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संभल

भूमि रिकॉर्ड व्यवस्था और तीर्थों के पुनरुद्धार का किया उल्लेख

68 तीर्थों के पुनरुद्धार, 19 प्राचीन कूपों के पुनर्जीवन

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को संभल जनपद में 569 करोड़ की लागत से तैयार 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के साथ-साथ संभल की धार्मिक विरासत, कानून-व्यवस्था और भूमि प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संभल की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 68 तीर्थों के पुनरुद्धार, 19 प्राचीन कूपों के पुनर्जीवन तथा 24 कोसीय परिक्रमा के विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने दावा किया कि अब इन स्थलों पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा।

10 हजार एकड़ भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया

योगी ने अपने संबोधन में पूर्ववर्ती सरकारों पर भूमि कब्जे, दंगों व गरीबों की उपेक्षा के आरोप लगाए। कहा कि लगभग 10 हजार एकड़ भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया है और इसे दलितों, गरीबों तथा वंचित वर्गों के हित में उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विपक्ष पर विरासत और आस्था की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। कहा कि सरकार आधुनिक भूमि अभिलेख व्यवस्था विकसित कर रही है, जिससे लोगों की जमीन सुरक्षित रहे और अवैध कब्जों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। उन्होंने विश्वास जताया कि विकास परियोजनाओं और सुशासन के माध्यम से संभल नई पहचान के साथ आगे बढ़ेगा।

चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भगवान विष्णु के दसवें अवतार की भूमि और सनातन परंपरा के पावन तीर्थ सत्यव्रत से अपनी यात्रा शुरू करने वाला यह क्षेत्र आज संभल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने भगवान हरिहर की पावन धरा को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जनपद संभल के चंदौसी में गणपति की 145 फीट ऊंची प्रतिमा और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की 151 फीट ऊंची प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। चंदौसी को यह भव्य उपहार देने वाले सभी महानुभाव बधाई के पात्र हैं। कहा कि विघ्न विनाशक भगवान गणपति और प्रभु श्रीराम की विशाल प्रतिमाओं का अनावरण करना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने संभल और चंदौसी के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी।

2017 से पहले संभल का नाम लेने से भी हिचकिचाते थे लोग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होने के कारण संभल में विकास कार्य संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले क्या इस तरह के कार्यों की कल्पना की जा सकती थी। उस समय लोग संभल का नाम लेने से भी हिचकिचाते थे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पहले एक तुर्क यहां आकर लोगों को अपमानित करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि वह स्थानीय मुसलमानों को भी अपमानित करता था और खुद को बाबर का वंशज बताकर भारत और भारतीयों का अपमान करने का काम करता था। योगी ने कहा कि अब ऐसी तुर्कई नहीं चलेगी और न ही किसी को लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब संभल में वही होगा, जो भगवान हरिहर मंदिर की परंपरा और आस्था के अनुरूप होगा।

बच्चों की देखभाल के लिए होगी महिला की नियुक्ति

महिला कामगारों के लिए बनेंगे महिला-अनुकूल कार्यस्थल : मौर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विकसित भारत–जी राम जी एक्ट 2025 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिला कामगारों के लिए सुरक्षित और महिला-अनुकूल कार्यस्थल विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे बच्चों की चिंता किए बिना कार्य कर सकें।

कामकाजी महिलाओं को सुविधा मिलेगी

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन कार्यस्थलों पर पांच वर्ष से कम आयु के पांच या उससे अधिक बच्चे मौजूद हों, वहां उनकी देखभाल और सुरक्षा के लिए एक महिला की नियुक्ति की जाए। नियुक्त महिला को निर्धारित मजदूरी दर के अनुसार भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे कामकाजी महिलाओं को सुविधा मिलेगी और एक अन्य महिला को रोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ समझौता नहीं

केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को सभी कार्यस्थलों पर स्वच्छ पेयजल, भीषण गर्मी और वर्षा से बचाव के लिए शेड तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रमिक के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

पेज एक का शेष

पहला प्राइवेट ऑर्बिटल...

भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी की स्थापना 2018 में दो दोस्तों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी। विक्रम-1 को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12:05 बजे लॉन्च किया गया। स्काईरूट ने 2022 में विक्रम-एस सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था, जो 89.5 किमी की ऊंचाई तक गया था। अब विक्रम-1 450 किमी की पृथ्वी की सर्कुलर निचली कक्षा तक पहुंच गया है। इसे भारत के निजी स्पेस सेक्टर के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। 2020 में सरकार ने स्पेस सेक्टर में बड़े बदलाव किए थे। इसके बाद निजी कंपनियों को भी रॉकेट, सैटेलाइट और लॉन्च सर्विस पर काम करने की अनुमति मिली। स्काईरूट इससे पहले 2022 में विक्रम-एस नाम का सब-ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च कर चुकी है। लेकिन उस मिशन में सैटेलाइट को ऑर्बिट में नहीं भेजा गया था। इस बार लक्ष्य अलग है। विक्रम-1 कई ग्राहकों के छोटे सैटेलाइट को पृथ्वी से करीब 450 किलोमीटर ऊंची लो-अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाएगा। यह तीन डेवलपमेंट मिशनों में पहला मिशन होगा। इसके बाद रॉकेट को नियमित कमर्शियल लॉन्च के लिए तैयार किया जाएगा। स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 की कामयाबी के साथ ही भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया है, जिसके पास अपनी खुद की प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट बनाने और लॉन्च करने की क्षमता है। अभी तक अमेरिका व चीन के पास ये तकनीक है।

सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए: सोने के कलाम, साराभाई और सीवी रमन भी भेजे गए। कॉस्मोस डायमंड्स की कलाकृति कॉस्मिक ब्लूम और एक खास माइक्रो-आर्ट पीस भी रॉकेट में भेजा गया। यह माइक्रो-आर्ट पीस 18 कैरेट सोने से बना छोटा सा रॉकेट है। इस पर वैज्ञानिक सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. कलाम की सूक्ष्म मूर्तियां उकेरी गई हैं।

अवैध पटाखा फैक्ट्री ....

अमले के साथ मौके पर पहुंचे। संयुक्त पुलिस आयुक्त जयपाल सिंह ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि इस पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द कर दिया गया था, इसके बावजूद झोपड़ीनुमा जगह पर इसका अवैध संचालन किया जा रहा था। यह हादसा आरएएफ कैंप के ठीक पीछे हुआ, जिसके चलते आरएएफ के जवानों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सबसे पहले राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। महापौर के मुताबिक घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। आग इतनी भयावह थी कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

टीएमसी के बागी...

इंडिया एनसीपीआई में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी लोकसभा सांसदों को आमंत्रित किया है।

यह बैठक आज रविवार 19 जुलाई को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। रिजिजू ने एनसीपीआई के चीफ व्हिप के तौर पर नामित सुदीप बंद्योपाध्याय और डॉ. काकोली घोष दस्तीदार से भी बैठक में शामिल होने का अनुरोध किया। 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक होगी। इस बैठक में सरकार राजनीतिक दलों को अपने विधायी कामकाज के बारे में जानकारी देगी, जबकि विपक्षी दल अहम मुद्दे उठा सकते हैं

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बागी तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय और लोकसभा के 19 अन्य सांसदों को संसद के मॉनसून सत्र से पहले होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। ये सांसद पिछले दिनों नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हो चुके हैं। सुदीप बंदोपाध्याय को लिखे एक पत्र में, रिजिजू ने माना कि 20 सांसदों के समूह ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से एनसीपीआई के सांसदों के तौर पर मान्यता देने का अनुरोध किया था, जिस पर अभी विचार चल रहा है। उन्होंने उन्हें आने वाले सत्र के लिए विधायी एजेंडे पर चर्चा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

रिजिजू ने सुदीप बंदोपाध्याय को लिखे पत्र में कहा कि हाल ही में, आप और संसद के 19 अन्य सदस्य नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया में शामिल हुए हैं और आपने लोकसभा अध्यक्ष से इसे मान्यता देने का अनुरोध किया है, जो उनके विचाराधीन है। मुझे आपको लोकसभा/राज्यसभा में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक में आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। इस बैठक में संसद के आगामी मॉनसून सत्र के दौरान सदनों में आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों और विधायी कामकाज पर चर्चा की जाएगी। मैं संसद के दोनों सदनों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए आपका सहयोग चाहूंगा।

रिजिजू ने पहले घोषणा की थी कि मॉनसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मॉनसून सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई 2026 को शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

उद्धव ठाकरे को ...

हो गए हैं। लोकसभा में दलों की वर्तमान स्थिति: लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है, जिसके 239 सांसद हैं और इसके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। दूसरे स्थान पर कांग्रेस है, जिसके 98 सांसद हैं और नेता राहुल गांधी हैं। समाजवादी पार्टी 37 सांसदों के साथ तीसरे स्थान पर है। तृणमूल कांग्रेस के 28, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के 22, तेलुगु देशम पार्टी के 16, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के 13 और जनता दल (यूनाइटेड) के 12 सांसद हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के आठ, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पांच, जबकि माकपा, राष्ट्रीय जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के चार-चार सांसद हैं। आम आदमी पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, झारखंड मुक्ति मोर्चा और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के तीन-तीन सांसद हैं। सीपीआई, सीपीआई (एमएल), नेशनल कॉन्फ्रेंस, जनसेना, जेडी (सेक्युलर), राष्ट्रीय लोकदल और वीसीके के दो-दो सांसद हैं। इसके अलावा 16 अन्य दलों का एक-एक सांसद है। सदन में सात निर्दलीय सांसद भी हैं। वर्तमान में तीन सीटें रिक्त हैं। सूची के अनुसार 20 सांसदों को उनके अनुरोध पर अलग बैठने की व्यवस्था दी गई है।

डीएमके ने अलग सीट की मांग की: उधर, द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) ने कांग्रेस से अलग बैठने के लिए लोकसभा में अलग सीट आवंटित करने की मांग की है। तमिलनाडु में चुनाव के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के कारण कांग्रेस ने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ हाथ मिला लिया है, जिसके बाद डीएमके और कांग्रेस के रिश्तों में दूरी आ गई है।

दीर्घकालिक निवेश ...

है। वहीं, अगर हम ई-संजीवनी को देखें, तो इस मोबाइल चिकित्सा परामर्श प्लेटफार्म ने खासतौर पर ग्रामीण और सुदूर इलाकों में रहने वाले लोगों को घर बैठे चिकित्सा सुविधा प्रदान की है। यह वह लोग हैं, जिन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। सरकार ने डिजिटल हेल्थ सुविधाओं को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में किए यह बदलाव : उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में केंद्र द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में भी जानकारी दी। जिसमें आयुष्मान भारत और आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसे कुछ कदम मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके बाद मैं यह कह सकता हूं कि तकनीक के जरिए चिकित्सा उपचार अधिक सुलभ और जागरूकता के साथ आम जनता तक पहुंच रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उक्त दोनों कदम तो इस क्षेत्र या दिशा में उठाए गए कदम हैं। जिन्हें हम उदाहरण के रूप में भी देख सकते हैं। जबकि केंद्र के पास इस संबंध में एक लंबी सूची मौजूद है। अगर उसका उल्लेख किया जाएगा तो वह बहुत लंबी हो जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने ...

बिना कोई भी दवाई उनको न दी जाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे में उनको (वांगचुक) को कुछ भी होता है तो उसके लिए सभी जिम्मेदार होंगे। इस पूरे मामले पर दीपके ने कहा कि सीजेपी का धरना प्रदर्शन रूकने वाला नहीं है बल्कि और तेज होगा। पूरे घटनाक्रम के बीच उन्होंने जंतर मंतर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वांगचुक को जबरन पुलिस ने हटाया है, लेकिन अब मैं खुद भूख हड़ताल पर बैठ रहा हूं। दीपके ने कहा कि आगामी 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च भी नहीं रुकेगा वह जरूर होगा। दीपके ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मुझे भी सड़क पर घसीटा और समर्थकों को भी पीटा। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने सोनम वांगचुक को जबरदस्ती जंतर मंतर से हटाने पर पीएम नरेंद्र मोदी को घेरा है। केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी का अहंकार है जिसके चलते शांतिपूर्वक भूख हड़ताल कर रहे वांगचुक को हटाया है। कांग्रेस, सपा, आप सहित कई विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वांगचुक को भूख हड़ताल स्थल से हटाने पर केंद्र सरकार की कड़ी निंदा की है।

बीपीएससी 72वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा स्थगित

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 72वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को स्थगित कर दिया है। आयोग की ओर से शनिवार को जारी आवश्यक सूचना में बताया गया कि यह परीक्षा पहले 26 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होनी थी। हालांकि, अपरिहार्य कारणों से परीक्षा को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इससे परीक्षा की तैयारी कर रहे हजारों अभ्यर्थियों को नई तारीख का इंतजार रहेगा।बीपीएससी की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट कहा गया है कि परीक्षा अब निर्धारित तिथि पर आयोजित नहीं होगी। आयोग ने बताया कि परीक्षा आयोजन की नई तिथि की घोषणा बाद में अलग से की जाएगी।

आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे नई सूचना के लिए बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट और आधिकारिक माध्यमों

देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की, कैबिनेट मंत्री रहे मौजूद

मां विंध्यवासिनी के दरबार पहुंचीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मिर्जापुर

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार दोपहर विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचीं। यहां उन्होंने विधि-विधान से मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, मिर्जापुर सदर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्रा तथा भाजपा के कई जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। दर्शन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ भी काफी रही। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर परिसर में अपने पति को माला पहनाई।

प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था के लिए विशेष प्रबंध किए

मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में भाजपा की महिला कार्यकर्ता भी मंदिर परिसर पहुंचीं। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था और भारी भीड़ के कारण अधिकांश कार्यकर्ताओं को उनसे मुलाकात का अवसर नहीं मिल सका और वे दूर से ही उनका अभिवादन कर सकीं।

अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में समाजवादी नेता आजम खां की अपील खारिज

एजेंसी ▶▶ रामपुर

लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान चुनावी सभा में अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में सपा नेता आजम खां को राहत नहीं मिली। निचली अदालत से मिली दो वर्ष की सजा के खिलाफ दायर उनकी अपील को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) ने खारिज कर दिया है।

अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए सजा और जुर्माने के आदेश को बरकरार रखा है। मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। चुनाव प्रचार के दौरान थाना भोट क्षेत्र के गांव मनकरा में आयोजित एक जनसभा में आजम खां ने मंच से अधिकारियों को लेकर विवादित टिप्पणी की थी।

दो साल की सजा बरकरार

उप जिलाधिकारी घनश्याम त्रिपाठी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी

प्रशासन ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना था। इस बयान के संबंध में तत्कालीन उप जिलाधिकारी घनश्याम त्रिपाठी की ओर से भोट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने 16 मई 2026 को आजम खां को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं में दो-दो वर्ष के कारावास और प्रत्येक धारा में पांच-पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए आजम खां ने एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में अपील दाखिल की थी।

सेशन कोर्ट ने भी नहीं दी राहत

निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए आजम खां ने एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में अपील दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। अपील पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं। शासकीय अधिवक्ता सीमा राणा ने अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष का पक्ष रखा।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

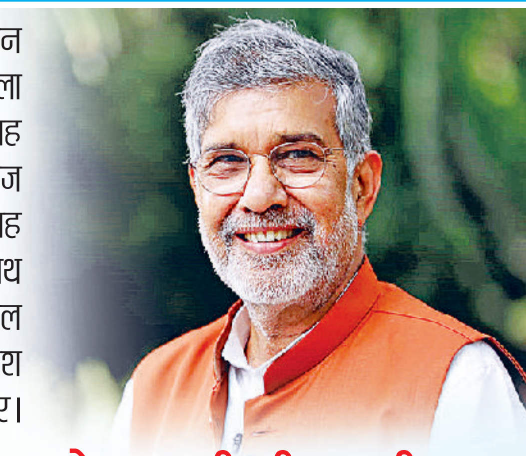

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

लघुकथाएं

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला- पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह ने दतिया में किया मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर का उद्घाटन

आज मीडिया व सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे प्रभावशाली माध्यम, सत्य तथ्य व विश्वसनीय जानकारी को समाज तक पहुंचाना सभी की साझा जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने शुक्रवार को दतिया उपचुनाव के लिए होटल प्राक्षी में बनाए गए मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर का उद्घाटन कर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की बैठक को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए स्थापित मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर संगठन, मीडिया और जनता के बीच प्रभावी संवाद, समन्वय तथा तथ्यपरक सूचना के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यालय का उद्घाटन नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी संवाद तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आज के डिजिटल युग में मीडिया और सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुके हैं।

सूचना और विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है मीडिया व सोशल मीडियाः हेमंत

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते खंडेलवाल। साथ में उपस्थित डॉ. सिंह व अग्रवाल।

तकनीक ने सूचनाओं के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है, लेकिन इसके साथ कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। ऐसे समय में सत्य, तथ्य और विश्वसनीय जानकारी को समाज तक पहुंचाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने उपस्थित पत्रकारों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी, पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया, राजलखन सिंह एवं सोशल मीडिया संभाग प्रभारी आयुष सुरेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हमें संगठन को निरंतर मजबूत बनाना हैः शिवप्रकाश

हम सभी कार्यकर्ता एक विचार और एक उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं। हमें संगठन को निरंतर मजबूत बनाना है। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कही। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, उपचुनाव प्रभारी भारत सिंह कुशवाह, भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने होटल रतन रॉयल में बनाए गए दतिया उपचुनाव कार्यालय का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता को अवसर मिलता हैः खंडेलवाल

खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ताओं का संगठन है। भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता को अपनी मेहनत और क्षमता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन दियाः डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी शासन के साथ विकसित भारत की मजबूत नींव रखने का कार्य किया है।

खबर संक्षेप

गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क का किया लोकार्पण

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा व महापौर मालती राय ने शुक्रवार को ईदगाह हिल्स क्षेत्र में बने श्री गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क का लोकार्पण किया। गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क निर्माण पर करीब 2 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद सरोज आसेरी के अलावा नेहा बग्गा, राकेश कुकरेजा, यतेन्द्र मकवाना, विक्रम सिंह, पम्मी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं गुरुद्वारा गुरुनानक टेकरी प्रबंध समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

महापौर ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

भोपाल। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को सांई बाबा नगर में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यहां करीब 14 लाख रुपए की लागत से सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जा रहा है।

बुंदेली शेफ सीज़न 4 में 7 प्रतिभागी पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

छतरपुर। ऑनलाइन कुकिंग प्रतियोगिता 'बुंदेली शेफ सीज़न 4' के हाल ही में आयोजित दूसरे ऑडिशन का परिणाम घोषित कर दिया गया है, जिसमे 7 प्रतिभागियों ने जगह बनाई है। दूसरे ऑडिशन में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से दीक्षा पटेल, किरण लाल, नाज़मी अख्तर, ऋतिका शर्मा, रुचि जैन, सुरुचि जैन और वरीशा नियाज़ी आगे बढ़ी। इन प्रतिभागियों ने बुंदेलखंड की पारंपरिक रेसिपीज़ को अनोखे अंदाज़ में प्रस्तुत किया। पहले और दूसरे ऑडिशन से चयनित सभी प्रतिभागियों का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में होगा। इसके बाद चयनित प सेमी फाइनल और अंततः अगस्त के अंत में आयोजित होने वाले भव्य ग्रैंड फिनाले तक पहुँचने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। बुंदेली शेफ सीज़न 4 का तीसरा और अंतिम ऑडिशन 20 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मधुबन में पुलिसकर्मियों से किया संवाद, बोले- एडवाइजरी जल्द

गैंगस्टर व गन कल्चर का महिमामंडन करने वालों की नकेल कसेगी सरकार

'ड्रग्स मुक्त हरियाणा संवाद' कार्यक्रम में एसटीएफ के अधिकारियों ने अपराधियों के गुणगान करने पर चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन के हर्षवर्धन सभागार में आयोजित 'ड्रग्स मुक्त हरियाणा संवाद' कार्यक्रम में गैंगस्टरों और गन कल्चर के बढ़ते महिमामंडन का मुद्दा प्रमुखता से उठा। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया में गैंगस्टरों के महिमामंडन पर चिंता जताते हुए इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि अगस्त 2025 में हरियाणा विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मीडिया संस्थानों से गैंगस्टरों का किसी भी रूप में महिमामंडन नहीं करने की अपील की थी। इसके बावजूद इस तरह की सामग्री का प्रसार पूरी तरह नहीं रुका है। उन्होंने इस संबंध में सख्त एडवाइजरी जारी करने और उसके प्रभावी पालन की आवश्यकता बताई। एसटीएफ अधिकारियों ने कहा कि गैंगस्टरों और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाली खबरों तथा सोशल मीडिया सामग्री का सबसे अधिक दुष्प्रभाव युवाओं पर पड़ रहा है।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनेगा अभियान हर जिले में बनेगा नशा मुक्ति

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज, संस्कार और मानवता की रक्षा का अभियान है। इसे जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में आयोजित 'एक पुलिस, एक संकल्प-ड्रग्स मुक्त हरियाणा' कार्यक्रम के तहत सामुदायिक पुलिसिंग संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि करनाल की पावन धरती से नशे के खिलाफ नए अभियान का शंखनाद हो रहा है। प्रत्येक थाना केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित न रहकर सामाजिक बदलाव का केंद्र बने। थाना प्रभारी स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों और युवा मंडलों के साथ नियमित संवाद कर युवाओं को नशे और अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के माध्यम से नशे का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है। ऐसे में केवल तस्करों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना जरूरी है।

नई पुलिस पुरस्कार नीति जल्द बनेगी

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों की मांगों पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने तफ्तीश हेड की राशि बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने, एनडीपीएस मामलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए अलग पुरस्कार नीति बनाने, ड्यूल पर्पज ड्रग्स की निगरानी के लिए सॉफ्टवेयर आधारित प्रणाली विकसित करने, पुलिस लाइनों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने और प्रत्येक जिले में आधुनिक नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गैंगस्टर और गन कल्चर को बढ़ावा देने वाली सामग्री पर रोक के लिए मीडिया और कंटेंट क्रिएटर्स से सुझाव लेकर एडवाइजरी जारी की जाएगी। जो थाना प्रभारी अपने क्षेत्र को प्रभावी रूप से नशामुक्त बनाने में सफल होगा, उसे सरकार सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वस्थ और नशामुक्त युवा सबसे बड़ी ताकत हैं।

टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला

बैटरी कारोबारी ने पत्नी समेत चार लोगों को जहर देकर लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बीती रात को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बैटरी कारोबारी ने अपनी पत्नी समेत चार लोगों को जहर देकर मौत की नींद सुला दी। फिर खुद फांसी लगा ली। संजय नगर स्थित मदनी मस्जिद के पास एक घर में पांच लोगों की लाश संदिग्ध अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है। मामला टिकरापारा थाने क्षेत्र का है। फिलहाल, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चर्चा है कि एक ही परिवार के पांच लोगों ने सामूहिक रूप से जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। फिलहाल, पुलिस सभी बिंदुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है। मकान में पांच लोगों की लाश मिलने की सूचना जैसे ही इलाके में आग की तरह फैली, मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर टिकरापारा थाना पुलिस पहुंची। पूरे घर को सील कर मामले की जांच कर रही है।

घटनास्थल से मिला कीटनाशक का डब्बा

पुलिस की शुरुआती जांच में मृतकों के मुंह से झाग निकलना मिला है। कमरे में खाद्य सामग्री और एक कीटनाशक का डब्बा भी मिला है। देर रात पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाये फिर मकान को सील कर दिया। कारोबारी साजिद पुरानी बैटरी की खरीदी-बिक्री का काम करता था। वहीं उसका बेटा एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। पड़ोसियों ने गुरुवार की शाम को जब घर के किसी सदस्य को नहीं देखा, तो उन्हें शक हुआ। शुक्रवार को भी पूरे दिन घर का दरवाजा बंद रहा। गेट पर आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। कमरे के अंदर से सड़ने की बदबू आ रही थी। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

जेयूआईटी का 7वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

वाकनाघाट, सोलन । जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी), वाकनाघाट ने 18 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय सभागार में अपना 7वाँ दीक्षांत समारोह गरिमापूर्ण एवं भव्य वातावरण में आयोजित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों, स्नातक एवं शोध उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, संकाय सदस्यों, पूर्व छात्रों तथा आमंत्रित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं जेयूआईटी के कुलाधिपति श्री कविंदर गुप्ता जी थे। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) आर. के. शर्मा, कुलपति, जेयूआईटी, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) आर. के. शर्मा, कुलसचिव, विश्वविद्यालय की गवर्निंग काउंसिल एवं एकेडमिक काउंसिल के सदस्य भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ, जिसके उपरांत माननीय कुलाधिपति द्वारा औपचारिक रूप से समारोह के प्रारंभ की घोषणा की गई। अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो. (डॉ.) आर. के. शर्मा, कुलपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्योग सहयोग, उद्यमिता, प्लेसमेंट, पेटेंट, शोध प्रकाशनों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में जेयूआईटी की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

मेजिया में श्याम स्टील ग्रुप की 10,000 करोड़ की 2 एमटीपीए एकीकृत इस्पात परियोजना का भूमि पूजन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने श्याम स्टील ग्रुप के स्टील डिवीजन के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तावित 2 एमटीपीए मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता वाले एकीकृत इस्पात संयंत्र का शिलान्यास किया। प्रस्तावित संयंत्र में डीआरआई डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन यूनिट, पेलेट एवं बेनिफिसिएशन संयंत्र, स्टील मेल्टिंग शॉप, टीएमटी बार एवं स्ट्रक्चरल स्टील के निर्माण हेतु हाई-स्पीड रोलिंग मिल सहित अत्याधुनिक उत्पादन सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। यह परियोजना देश की इस्पात विनिर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी तथा राष्ट्रीय इस्पात नीति एनएसपी, 2017 के अंतर्गत वर्ष 2029-30 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता मुख्यालय वाला श्याम स्टील ग्रुप देश के अग्रणी, विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित इस्पात औद्योगिक समूहों में से एक है। समूह के निदेशक ललित बेरीवाला ने कहा श्याम स्टील ग्रुप का प्रस्तावित निवेश केवल एक वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत और विकसित पश्चिम बंगाल के राष्ट्रीय संकल्पों के अनुरूप एक दूरदर्शी पहल है। अपनी तकनीकी विशेषज्ञता, मजबूत वित्तीय क्षमता, व्यापक औद्योगिक अनुभव तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बल पर श्याम स्टील ग्रुप पश्चिम बंगाल के औद्योगिक पुनर्जागरण का एक विश्वसनीय भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

दतिया में 22 प्रत्याशी मैदान में हर बूथ पर लगेंगी दो ईवीएम

भोपाल । दतिया विधानसभा उपचुनाव में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। अंतिम दिन शादाबुद्दीन और मेहरबान सिंह बघेल ने अपने नाम वापस ले लिए। इससे पहले केशव यादव भी चुनावी मैदान से हट चुके थे। अब नोटा सहित कुल 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस बार प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो बैलेट यूनिट वाली ईवीएम का उपयोग किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार एक बैलेट यूनिट में नोटा सहित अधिकतम 16 उम्मीदवारों के नाम ही दर्ज किए जा सकते हैं। ऐसे में शेष उम्मीदवारों के नाम दूसरी बैलेट यूनिट में प्रदर्शित होंगे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जितेन्द्र@दीपक पुत्रः** स्व0 ओम प्रकाश, **निवासः** A-108, कुम्हार वाली गली, नबी करीम, दिल्ली एवं A-95, अमरपुरी, मटके वाली गली, पहाड़गंज, दिल्ली ने **FIR No 364/2021, U/s 380/411 IPC., थानाः नबी करीम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जितेन्द्र@दीपक** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जितेन्द्र@दीपक** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No 364/2021, U/s 380/411 IPC., थानाः नबी करीम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जितेन्द्र@दीपक** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
जेएमएफसी-05, (मध्य), कमरा नं. 241
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9889/CD/2026
(Court Notice)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

मुख्य अभियंता/निर्माण/आरएसपी/एनआर, 901 बी, टॉवर– I, 9वीं मंजिल, कनेक्टस टॉवर, डीएमआरसी बिल्डिंग, अजमेरी गेट, नई दिल्ली–110002 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1	कार्य का पूरा नाम	उत्तरी रेलवे के रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट्स यूनिट (RSPU), नई दिल्ली के अंतर्गत 3 सड़क ऊपरी पुल (ROB) का निर्माण, जिसमें–फिरोजपुर मंडल के जालंधर कैंट–होशियारपुर खंड पर कि.मी. 18/1–2 स्थित समपार फाटक संख्या C–28 के स्थान पर 2–लेन सड़क ऊपरी पुल (ROB) का निर्माण। अंबाला मंडल के बठिंडा–श्रीगंगानगर खंड पर कि.मी. 71.461 स्थित समपार फाटक संख्या 48 के स्थान पर 2–लेन सड़क ऊपरी पुल (ROB) का निर्माण। अंबाला मंडल के बठिंडा–श्रीगंगानगर खंड पर कि.मी. 86.541 स्थित समपार फाटक संख्या 58 के स्थान पर 2–लेन सड़क ऊपरी पुल (ROB) का निर्माण (सीमित ऊंचाई वाले सबवे (LHS) सहित)।
2	लगभग कार्य की लागत	1,45,17,58,240.51/- रुपये मात्र (एक सौ पैंतालीस करोड़ सत्रह लाख अट्ठावन हजार दो सौ चालीस रुपये एवं इक्यावन पैसे मात्र)
3	कार्य समाप्ति अवधि	18 महीने की अवधि
4	बयाना राशि	2,90,35,200.00/- मात्र रुपये (दो करोड़ नब्बे लाख पैंतीस हजार दो सौ मात्र)
5	रेलवे पर निविदा दस्तावेज की बिक्री/उपलब्धता	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर 17.07.2026 से 08.08.2026 तक उपलब्ध रहेंगे।
6	निविदाएं अपलोड करने की अंतिम तिथि/समय	निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर 08.08.2026, 11:30 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं।
7	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	08.08.2026, 11:30 बजे के बाद किसी भी समय।
8	पूर्व–निविदा बैठक	दिनांकः 22.07.2026 समयः 11:30 बजे से 12:30 बजे तक स्थानः सीएओ/सी/आरएसपी कार्यालय, 9वीं मंजिल, कनेक्टस टॉवर, डीएमआरसी भवन, अजमेरी गेट, नई दिल्ली – 110002 तथा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) लिंक के माध्यम से (uploaded on IREPS)।

पत्रांकः 29-W-09-2026-WA-DyCE-C-RSP दिनांकः 17.07.2026
2481/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पहचान छिपाकर रह रहा था आरोपी, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

बहुचर्चित वासेपुर दोहरे हत्याकांड के फरार आरोपी शब्बीर मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

बहुचर्चित वासेपुर दोहरे हत्याकांड के फरार दोषी शब्बीर (साबिर), आलम को धनबाद पुलिस की वैध अभिरक्षा से छुड़ाकर फरार कराने के मामले में अंबिकापुर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है, जबकि पुलिस शब्बीर आलम को वर्षों तक संरक्षण देने वालों की भूमिका भी खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, धनबाद के बैंकमोड़ थाना के उपनिरीक्षक अभय कुमार अपनी टीम के साथ 29 जून को वारंटी शब्बीर उर्फ साबिर आलम की गिरफ्तारी के लिए अंबिकापुर पहुंचे थे। मुखबिर से सूचना मिली थी कि वह

मोमिनपुरा क्षेत्र में पहचान छिपाकर रह रहा है। पुलिस ने मोमिनपुरा मस्जिद के पास स्कूटी सवार एक युवक को रोककर पूछताछ की, जिसने अपना नाम साबिर आलम बताया। पुलिस जब गिरफ्तारी की वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर रही थी, तभी आरोपी ने आसपास मौजूद लोगों को बुला लिया।

बल प्रयोग कर वारंटी को छुड़ाकर फरार कराने का आरोप

आरोप है कि कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस टीम का विरोध करते हुए बल प्रयोग किया और वारंटी को पुलिस अभिरक्षा से छुड़ाकर फरार करा दिया। भीड़ का फायदा उठाकर अन्य लोग भी मौके से भाग निकले। घटना के बाद कोतवाली थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान धनबाद पुलिस के अधिकारियों और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। वीडियो कॉल और व्हाट्सएप के माध्यम से पहचान कराए जाने पर जुनैद खान (30) और उसके पिता मोहम्मद जाहिद खान (59) की घटना में संलिप्तता की पुष्टि हुई। पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।

बस संचालक पर भी मामला दर्ज

पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, सहायक उपनिरीक्षक अदीप प्रताप सिंह, सहायक उपनिरीक्षक विवेक पांडेय तथा साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जांच के दौरान अंबिकापुर पुलिस ने बस संचालक वैदुल खान के खिलाफ भी अपराध दर्ज किया है। आरोप है कि उसने वासेपुर हत्याकांड के दोषी शब्बीर आलम को करीब 13 वर्षों तक संरक्षण दिया, जबकि उसे उसकी दोषसिद्धि और फरार होने की जानकारी थी।

दोहरे हत्याकांड का आरोपी था शब्बीर आलम

पुलिस के अनुसार, शब्बीर आलम झारखंड के धनबाद स्थित वासेपुर में वर्ष 2001 के चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी है। आरोप है कि कोयला कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई के दौरान 18 अक्टूबर 2001 को उसने फहीम खान की मां नजमा खातून और मौसी शहनाज खातून की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वर्ष 2013 में गिरफ्तारी के बाद वह अदालत में पेशी के दौरान फरार हो गया था। वर्ष 2018 में झारखंड हाईकोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित करते हुए उसकी संपत्तियों की कुर्की के आदेश दिए थे।

संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा।इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी।मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है।वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें।*इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं। संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लांघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियां और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना, अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बगैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाइश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहां था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होते हैं। इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, साम्प्रदायिक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी विषय भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते है। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों-परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

गड़बड़ी की बात पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से जुड़े बीएड कॉलेजों का शिक्षा मंत्रालय ने शुरू किया निरीक्षण

3 कॉलेजों में सामने आई थी गड़बड़ तो मंत्रालय ने उठाया यह कदम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मध्य-प्रदेश स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से जुड़े 3बीएड कॉलेजों में सामने आई गड़बड़ी की जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने मामले की जांच करनी शुरू कर दी है। यह सभी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त उच्च-शिक्षा के संस्थान हैं और परिषद द्वारा ही इनका विनियमन किया जाता है। मंत्रालय ने एनसीटीई से भी एक रिपोर्ट तलब की थी। जिसे परिषद ने 15 जुलाई को सौंप दिया है। शिक्षा मंत्रालय ने यह भी साफ किया है कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद अगर किसी संस्थान द्वारा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बताए गए पते पर नहीं चल रहे कॉलेज

मंत्रालय को मिली शिकायत के हिसाब से जिन कॉलेजों में गड़बड़ी का मामला सामने आया था। वह अपने बताए हुए पते पर नहीं चल रहे हैं और वहां पर जरूरी सुविधाएं भी नहीं हैं। मामले की पड़ताल करने के लिए समिति बीते शुक्रवार को भोपाल पहुंची थी और वहां पर उसने कॉलेजों का निरीक्षण शुरू किया। इस प्रक्रिया में जियो टैग्ड फोटो, वीडियो के माध्यम से संस्थानों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके अलावा कॉलेजों के दस्तावेजों, अभिलेखों का सत्यापन समिति द्वारा यह देखा जा रहा है कि वह एनसीटीई अधिनियम 1993 तथा निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

शुरुआत जांच में सामने आया यह सच

मामले की स्वतंत्र रूप से जांच-पड़ताल करने के लिए मंत्रालय ने एक तथ्य जांच, सत्यापन समिति का भी गठन किया है। जिसकी प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि जिन परिसरों में तीन कॉलेजों के संचालन की बात कही गई थी। वहां पर एक अन्य कॉलेज भी संचालित किया जा रहा है। जिसके बाद समिति ने तीन की बजाय चार कॉलेजों की जांच पड़ताल शुरू की। समिति में शिक्षा मंत्रालय, मध्य-प्रदेश शासन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रतिनिधि शामिल हैं। जबकि इसकी अध्यक्षता एक पूर्व कुलपति और शिक्षा प्रशासक कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

अमरनाथ-वैष्णो देवी यात्रा रोकी गई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अगले तीन दिन भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसके चलते अमरनाथ यात्रा 19 जुलाई से स्थगित रहेगी। वैष्णो देवी यात्रा भी शनिवार से रोक दी गई है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पहलगाम व बालटाल दोनों मार्गों पर भूस्खलन के जोखिम को देखते हुए लिया गया है।

चेंगापल्ली के पास कार टैंकर भिड़े, 3 की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय , उनकी पत्नी थेनमोझी और कुमार के रूप में हुई है। 8 लोगों का समूह तिरुत्तनी से ऊटी जा रहा था, तभी हादसा हुआ।

कोलकाता में रिहायशी इमारत में विस्फोट

कोलकाता। कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में में हुए विस्फोट में एक इमारत आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को संदेह है कि यह घटना देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुई। दक्षिण नारायणपुर इलाके में हुए इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मुख्य संदिग्ध मोहम्मद शमीम फरार है।

पूर्व पीएम देवगौड़ा की पत्नी का निधन

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का शनिवार को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में निधन हो गया। शाम करीब 4 बजे उन्हें अचानक गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में पहले सुधार हो रहा था और वह रिकवरी की ओर बढ़ रही थीं।

हत्या मामले में 4 को आजीवन कारावास

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव में वर्ष 2016 में पुरानी रंजिश की वजह से एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 4 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने 60-60 हजार का जुर्माना लगाया।

कैबिनेट की आठवीं बैठक आज भोपाल से सटे जगदीशपुर में

समान नागरिक संहिता सहित कुल 14 विधेयकों को मिलेगी 'मंजूरी'

कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक की

यहां होगी कैबिनेट बैठक

• भोपाल के साथ ही अब तक जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के नजदीक जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) समेत कुल 14 विधेयकों को मंजूरी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली।

बैठक में उन्होंने कैबिनेट की बैठक में अनुमोदन के लिए लाए जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य अनुपम राजन समेत अन्य आईएएस अफसर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विधेयक प्रस्तावों पर विस्तार से जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए

समीक्षा बैठक में सीएम मंत्रियों के साथ

» ***पैतृक संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार होगा***

» ***जनजातीय समाज को यूसीसी से छूट दी गई***

सरकार की कोशिश यूसीसी विधेयक का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना

मप्र सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में कुछ 14 विधेयकों को पारित कराने जा रही है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यूसीसी\ विधेयक 2026 है। इसके पारित होने के बाद मप्र देश उन राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू है। इस मप्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 में प्रमुख रूप से विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के लिए सभी धर्मों के लिए एक समान कानून होगा। लिव-इन में रहने वाले दंपत्ती का पंजीकरण अनिवार्य होगा। हालांकि, उक्त लिव इन में रहने वाले दंपती का विवाह तभी हो सकेगा, जब वे लिव इन पंजीकरण को निरस्त कराएंगे। इसके साथ ही पैतृक संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार होगा। इस बिल की एक खासियत यह भी है कि जनजातीय समाज को यूसीसी से छूट दी गई है।

जगदीशपुर प्राचीन धरोहर होने से पर्यटन क्षेत्र के रूप में हो सकेगा विकसित

जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक रखने का मुख्य उद्देश्य प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। इस बैठक के बाद इसे पर्यटन के रूप में भी विकसित करने पर काम होगा। इससे भोपाल आने वाले पर्यटक जगदीशपुर के प्राचीन इमारतों को भी देख सकेंगे।

प्रमुख रूप से इन 14 विधेयकों को मिलेगी मंजूरी

- मप्र उपकर (संशोधन) विधेयक -2026
- मप्र समान नागरिक संहिता (संशोधन) विधेयक-2026
- मप्र समान नागरिक संहिता विधेयक- 2026
- मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र निरसन विधेयक- 2026
- मप्र अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक-2026
- निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक- 2026
- मप्र आयुर्विज्ञान विवि (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र वैट संशोधन विधेयक -2026
- मप्र माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक-2026
- मप्र कार्य स्थन सशक्तिकरण संहिता (श्रम शक्ति संहिता)-2026
- मप्र ईज ऑफ डूईंग विजनेस एक्ट-2026
- मप्र धनवंतरी विवि विधेयक-2026
- मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज संशोधन विधेयक- 2026

अभिषेक की बढ़ीं मुश्किलें

अमताला में पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर, ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने शनिवार को अमताला स्थित तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बेनर्जी के कार्यालय को ध्वस्त कर दिया है। विभागीय जांच में पाया गया था इस कार्यालय का निर्माण स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि भारी सुरक्षा के बीच जेसीबी की मदद से कार्यालय को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय बलों को घटनास्थल के आसपास तैनात किया गया था और एहतियात के तौर पर अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

शिकायतों के बाद की गई कार्रवाई

अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के निर्माण में सभी नियमों का उल्लंघन करने की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आगे बताया कि संबंधित व्यक्तियों को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर शिकायतों के आधार पर शुरू की गई वैधानिक प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी

इस कार्रवाई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जश्न का माहौल छा गया, जिन्होंने अपनी पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। अभिषेक डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं। अमताला इसी निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। यहां से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि अभिषेक के पार्टी कार्यालय का निर्माण भवन नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था और उन्होंने जिला प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया। नस्कर ने कहा कि यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया था। प्रशासन ने आखिरकार कानून के अनुसार कार्रवाई की है।

पुरी पुलिस ने एडवाइजरी दी

रथ यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ बच्चों-बुजुर्गों को साथ न लाएं

एजेंसी ▶▶ पुरी

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए ओडिशा पुलिस के महानिदेशक वाईबी खुरानिया ने श्रद्धालुओं से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और अस्वस्थ लोगों को साथ लेकर नहीं आने की अपील की है। सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एडवाइजरी का पालन करें। खुरानिया ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कम उम्र के बच्चों को साथ न लाएं।

लाखों श्रद्धालुओं से भरी पुरी

डीजीपी ने कहा,ग्रैंड रोड श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ है। पूरे पुरी शहर में लाखों श्रद्धालु मौजूद हैं। लगातार बड़ी संख्या में लोग पुरी पहुंच रहे हैं। पूरे शहर में उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। सलाह पर नजर रखने और निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

बार काउंसिल की सख्त चेतावनी

कोर्टरूम में रील बनाई तो खैर नहीं, अब शपथपत्र देना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर नई आचार संहिता जारी की है। अब अदालत परिसर, कोर्टरूम, बाररूम, वकीलों के चैंबर और न्यायिक भवनों में रील, वीडियो, फोटो या कप्रचार वाला कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी गई है। वकीलों के बैंड और गाउन का उपयोग भी सोशल मीडिया पर प्रचार या व्यक्तिगत ब्रांडिंग के लिए करने से मना किया गया है।

सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकास्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे भ्रामक दावे करने वाले न हों। बीसीआई ने सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

2047 के लक्ष्य को रफ्तार देने के लिए नीति आयोग ने जारी की रैंकिंग

निवेश अनुकूलता सूचकांक

निवेश आकर्षित करने में गुजरात देश में अव्वल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु भी आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग ने शनिवार को नई दिल्ली में देश का प्रतिष्ठित 'निवेश अनुकूलता सूचकांक 2026 जारी की। इस में गुजरात भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पछाड़कर निवेश आकर्षित करने के मामले में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बना। गुजरात के बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गोवा और ओडिशा भी शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हैं। सीईओ निधि छिब्बर ने कहा कि यह सूचकांक केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि राज्यों के लिए एक व्यावहारिक सुधार उपकरण है। इससे राज्यों को अपनी कमियों को पहचानने और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।

कारणों को रेखांकित किया

रिपोर्ट में उन प्रमुख कारणों को रेखांकित किया है, जिससे इन राज्यों को उच्च रैंकिंग मिली है। गुजरात में मजबूत बंदरगाह संचालन और बेहतरीन विद्युत क्षेत्र, महाराष्ट्र में निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल को आकर्षित करने की बेजोड़ क्षमता। वहीं तमिलनाडु में शानदार बुनियादी ढांचा आदि हैं।

8 प्रमुख स्तंभ: अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर), कारोबारी माहौल, संसाधन, सरकारी नीति, नियामक सुगमता, संस्थागत वातावरण, वित्तीय स्थिति, पर्यावरणीय लचीलापन।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 'सौश्रुतम 2026' का समापन

आयुर्वेदाचार्यों की पहचान कुशल सर्जन के रूप में हो रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में आयोजित 3 दिनी अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सौश्रुतम 2026' का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 15 से 17 जुलाई तक आयोजित इस संगोष्ठी में भारत और विदेशों के प्रमुख विशेषज्ञों ने आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत, आयुर्वेदिक सर्जरी में नवाचार और आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय पर विचार-विमर्श किया। खास बात यह रही कि अतिथियों ने कहा कि अब आयुर्वेद आचार्यों की पहचान सर्जन की हो रही।

खास बातें

- थाईलैंड, इजराइल, ऑस्ट्रिया, यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल, ग्रीस और भारत के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों तथा सर्जनों ने भाग लिया
- एआईआईए, आईएमएस-बीएचयू, आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद, जामनगर की भागेदारी

समापन सत्र में शामिल हुए कई गणमान्य

समापन सत्र में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग की अध्यक्ष वैद्य मनीषा कोठेकर और दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एनसीआईएसएम के 'बोर्ड ऑफ एथिक्स एंड रजिस्ट्रेशन' के अध्यक्ष डॉ. सुश्रुत कनौजिया और पद्मश्री प्रो. मनोरंजन साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक संवाद और नवाचार को मिला बड़ा मंच

निदेशक प्रो. (वैद्य) पीके प्रजापति ने कहा कि इसका का उद्देश्य वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देना, साक्ष्य-आधारित शल्य चिकित्सा पद्धतियों का आदान-प्रदान करना, उभरती तकनीकों को प्रदर्शित करना और आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना था।

आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू का नवीनीकरण

समापन समारोह के दौरान एआईआईए और आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगी अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एमओयू को 5 वर्षों के लिए नवीकृत किया। 'आयुषवल्लारी' के तीसरे संस्करण, 'नेत्र रोग : सामान्य जानकारी और निवारण' पुस्तक तथा 'सौश्रुतम 2026' की स्मारिका का भी विमोचन किया ।

15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी बिजली गिरने का भी खतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

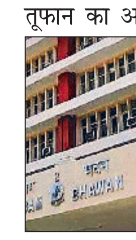

हिमाचल में 'ऑरेंज अलर्ट'

हिमाचल प्रदेश के शिमला में 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ इस इलाके में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की उम्मीद है, जिससे पूरे राज्य में व्यापक बारिश होगी। मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की आशंका है।

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलेटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा

बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होंगी गिल और ब्रुक की टीमें

लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्ड्स पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रबींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

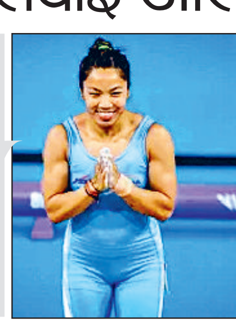

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

बांग्लादेश की शानदार वापसी, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने बनाए 186 रन

बांग्लादेश की टीम बुलावायो के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो उसके दोनों ओपनर्स ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को धो डाला। सैफ हसन और तंजिद हसन ने मिलकर टीम को 14.4 ओवर में 120 रन की शुरुआत दिलाई। तभी सैफ 45 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर चलते बने। जबकि तंजिद हसन ने भी 44 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा अंत में सैफुद्दीन ने 10 गेंद में चार छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद और तूफानी पारी खेली, तो टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का टोटल बनाया।

हुसैन और मेहदी ने मिलकर दिलाई जीत

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अपने ही घरेलू मैदान पर टिक नहीं सके। उनके लिए सबसे अधिक 29 रन सिर्फ रयान बर्ल ही बना सके, तो 28 रन कप्तान सिकंदर रजा ने बनाए। लेकिन ये पारियां जीत के लिए काफी नहीं थीं। बांग्लादेश के रिशाद हुसैन ने अपनी फिरकी से चार विकेट चटकाए, तो अन्य स्पिनर मेहदी हसन ने भी तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इससे जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ही ढेर हो गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की

रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी ज़िंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्रा हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं। ' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी। '

पीवी सिंधु खिताब के करीब युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

जापान ओपन : फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

एजेंसी ▶▶| टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया। सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

रैंकिंग कुश्ती सीरीज : हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक अपने नाम किए

नेहा ने स्वर्ण, मानसी ने रजत और सविता ने कांस्य जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हंगरी में आयोजित की जा रही बुडापेस्ट रैंकिंग कुश्ती सीरीज में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें शुक्रवार को देर रात हुए मुकाबलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने तीन पदक जीते। दादरी की नेहा सांगवान ने महिलाओं के 59 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी मानसी अहलावत ने महिलाओं के 62 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता,

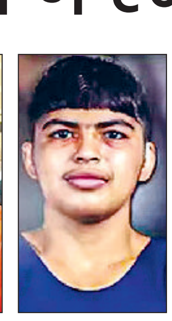

जबकि सविता ने इसी वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। मानसी और सविता रोहतक के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है। 59 किलोग्राम वर्ग में, नेहा सांगवान ने फाइनल में मौजूदा पैन-एम चैंपियन अमेरिका की अबीगैल नेट को 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह नेहा का लगातार दूसरा रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक था, इससे पहले उन्होंने पिछले महीने उलानबटार ओपन में भी जीत हासिल की थी। 18 वर्षीय भारतीय पहलवान ने नॉर्वे की ओथेली होइई को 7-4 से और कजाकिस्तान की पहलवान अल्टीन शागायेवा को 6-4 से हराकर स्वर्ण पदक के लिए दावेदारी पेश की। नेहा ने इस साल की शुरुआत में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक और मुहम्मद मेलो रैंकिंग सीरीज में रजत पदक भी जीता था। रोहतक की मानसी अहलावत ने बाद रजत पदक जीता। पिछले साल बुडापेस्ट प्रतियोगिता में गोडिनेज़ को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था।

इससे पहले, युवा ओलंपिक में रजत पदक विजेता मानसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। उलानबटार ओपन में कांस्य पदक जीतने के बाद मानसी अहलावत का यह इस साल का दूसरा रैंकिंग सीरीज पदक था। इस बीच, सेमीफाइनल में मानसी से हारने के बाद, रोहतक की सविता ने कजाकिस्तान की इरिना कुज़नेत्सोवा को 14-5 के अंतर से हराकर कांस्य पदक से संतोष किया। कोच मनदीप ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिका का लगातार सातवीं रात ईरान पर भीषण हमला

सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को बनाया निशाना

ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा

एजेंसी ▶▶ तेहरान/वॉशिंगटन

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

वहीं, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। आईआरजीसी ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, सेंटकॉम) ने इस दावे को झूठा बताया।

समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद दो तेल टैंकरों में लगी आग

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त ईरान में बंदर अब्बास-रुदान पुल

ईरान का समझौते से पीछे हटने का ऐलान

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए तेहरान अब उसकी शर्तों का पालन नहीं करेगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा था कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम अब खत्म हो चुका है।

ताबूत में ट्रंप की फैमिली लिखा- 'खून के बदले खून'

ईरान ने राजधानी तेहरान में एक नया होर्डिंग लगाया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके पूरे परिवार को ताबूतों में दिखाया गया है। इन ताबूतों पर अमेरिकी झंडा लिपटा हुआ है, जबकि पीछे व्हाइट हाउस को आग की लपटों में घिरा दिखाया गया है। होर्डिंग में ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया और उनके पांचों बच्चों की तस्वीरें भी हैं। इस पर फारसी भाषा में 'खून के बदले खून' का नारा लिखा गया है।

कुवैत में आग लगने से कई यूनिट बंद

कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया।

ईरान के 20 गांवों में पानी संकट

ईरान के जस्क काउंटी के बुंजी तटीय गांव में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले सिस्टम पर अमेरिकी हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। होर्मोजगान वाटर और वेस्टवाटर कंपनी के प्रमुख हमजेह पूर ने कहा कि हमले में समुद्र से पानी खींचने वाला पंपिंग स्टेशन और बुंजी के डिसैलिनेशन प्लांट का पावर ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने इन हमलों को अपराध और आतंकवादी हमला बताया।

अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया।

खबर संक्षेप

यूक्रेनी ड्रोन हमले में 7 रूसी लोगों की मौत

मॉस्को। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किमी दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किमी पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूक्रेन के लंबी दूरी तक मार करने वाले हमलों में मॉस्को और तांबोव क्षेत्रों में स्थित दो महत्वपूर्ण रसद प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

नॉर्वे में भीषण आग से 100 घर जलकर खाक

ड्रामेन। दक्षिणी नॉर्वे में लगी भीषण आग में 100 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। सैकड़ों

लोगों को यहां से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे ड्रामेन शहर में एक इमारत में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके और नजदीकी जंगलों तक फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे। सैकड़ों लोगों को एक निकासी केंद्र में पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि किसी भी निवासी के लापता होने की सूचना नहीं है हालांकि आग लगने के कारण का तत्काल पता नहीं चल सका। ड्रामेन, ओस्लो से लगभग 34 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

चीन में भूस्खलन से 8 की मौत, बचाव कार्य जारी

चोंगकिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो

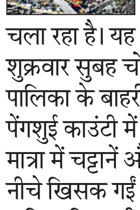

गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। इस हादसे में 10 लोगों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पहाड़ी इलाके में मलबा बिखरा पड़ा है। क्षतिग्रस्त इमारतों में से एक का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह दब गया है, जबकि दूसरी इमारत के पास एक कार आधी मलबे में दबी हुई दिखाई दी।

पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख कंपनियों से की मुलाकात

नोकिया के साथ 5जी और 6जी तकनीक पर की चर्चा

दूरसंचार, निवेश सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड की अग्रणी प्रौद्योगिकी और औद्योगिक कंपनियों के साथ रणनीतिक बैठकों के जरिए भारत-फिनलैंड आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। बैठकों में दूरसंचार, अनुसंधान, स्मार्ट अवसंरचना, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने नोकिया कॉरपोरेशन के वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात कर अगली पीढ़ी की दूरसंचार तकनीकों, 5जी और 6जी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और नवाचार साझेदारी पर चर्चा की। बैठक में भारत के दूरसंचार क्षेत्र में नोकिया की दीर्घकालिक भूमिका और उभरती डिजिटल तकनीकों में सहयोग के नए अवसरों पर भी विचार किया गया।

■ स्मार्ट सिटी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में बढ़ेगा

वीटीटी के साथ नवाचार पर जोर

यूरोप के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल वीटीटी तकनीकी अनुसंधान केंद्र में हुई बैठक के दौरान अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक परिवर्तन, उन्नत सामग्री, डिजिटलीकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अनुसंधान साझेदारी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

केओएनई के साथ स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

केओएनई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक में स्मार्ट शहरी अवसंरचना, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, सतत निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीयकरण पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत के तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार हुआ।

केम्पी समूह के साथ औद्योगिक नवाचार पर फोकस

केम्पी समूह के नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण नवाचार, आधुनिक औद्योगिक समाधान और भारत के बढ़ते विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशीं गईं।

भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों को मिली नई गति

इन बैठकों ने फिनलैंड के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे भारत की विश्वसनीय विनिर्माण और नवाचार साझेदार के रूप में पहचान और मजबूत हुई। यह दौरा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, सतत विनिर्माण और निवेश के क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

गोयल ने एस्टोनिया के विदेश मंत्री से की मुलाकात

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना से राजधानी टालिन में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, डिजिटल बदलाव, साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत-एस्टोनिया सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के सफल समापन के बाद नए अवसरों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

बीएसएफ के जवानों के साथ अमित शाह

'चिकन नेक' पर सुरक्षा का ध्यान

शाह ने सिलीगुड़ी के पास सीमा सुरक्षा इंतजाम का लिया जायजा

एजेंसी ▶▶ सिलीगुड़ी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं पर बॉर्डर फेंसिंग के साथ सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उनका दौरा 'चिकन नेक' पर सुरक्षा पर ध्यान बढ़ता है, यह क्षेत्र भारत और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क है। शाह उत्तरी बंगाल के शहर सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, फेंसिंग के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे। इस महीने में उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने बीएसएफ के 'प्रहरी सम्मेलन' में हिस्सा लिया।

3 अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच है 'चिकन नेक'

बैठक में मुख्य रूप से 'चिकन नेक' के नाम से प्रसिद्ध सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई है। 17 से 22 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी संपर्क का माध्यम है। यह गलियारा तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच स्थित है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर-पूर्व में भूटान है। हाल ही में राज्य में बनी सुवेंदु अधिकारी सरकार ने इस क्षेत्र में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 120 एकड़ भूमि बीएसएफ को हस्तांतरित की है। इस इलाके के सात महत्वपूर्ण राजमार्गों का प्रबंधन, जो पहले राज्य के लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग प्रकोष्ठ के अधीन था, केंद्र सरकार को सौंप दिया गया है।

इजराइल की पूर्व सांसद बोलीं

पाक पर मध्यस्थ के तौर पर भरोसा नहीं, वो शत्रु मानता

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल की पूर्व सांसद और ओज पार्टी की चेयरपर्सन डॉ. इनात विल्फ

ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल के लोग भारत और पीएम मोदी के लिए अच्छी राय रखते हैं। लोग दोनों देशों के बीच अगले कुछ वर्षों में एक बड़े और गहरे गठबंधन की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका को लेकर उन्होंने कहा कि इजराइल, पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता और न ही कर सकता है। अगर कोई देश मध्यस्थ बनना चाहता है, तो सबसे अहम जरूरत यह है कि उसके उन पार्टियों के साथ पूरे और खुले राजनयिक संबंध हों जिनके साथ वह मध्यस्थता करने का दावा करता है। पाकिस्तान खुद को इजराइल का दुश्मन बताता है और उसके नेताओं ने इजराइल की नीतियों के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके वजूद के बारे में भी ऐसी निंदात्मक बातें कही हैं।

सीसीपीए का स्पाइसजेट पर एक्शन

डार्क पैटर्न अपनाने पर 1 लाख रुपए का जुर्माना, जांच में दोषी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' (भ्रामक डिज़ाइन प्रथाओं) का इस्तेमाल करने के मामले में स्पाइसजेट लिमिटेड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी की ये प्रथाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019, उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 के नियम 4(9) और डार्क पैटर्न्स की रोकथाम एवं विनियमन संबंधी दिशानिर्देश, 2023 का उल्लंघन हैं।

सीसीपीए की अध्यक्ष मुख्य आयुक्त स्मति निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अगुवाई में हुई जांच में पाया गया कि स्पाइसजेट अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर पहले से टिक किए गए चेकबॉक्स के जरिए उपभोक्ताओं को स्वतः 'स्पाइसक्लब' लॉयल्टी प्रोग्राम में नामांकित कर रही थी।

पीओके में हो रही हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरा पाक

यूएन मानवाधिकार ने जताई चिंता, मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच की भी मांग

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिनेवा से जारी बयान में ओएचसीएचआर ने कहा कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। यूएन ने कहा है कि ऐसे समय में जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, इंटरनेट पर रोक लगाने से लोगों के सूचना प्राप्त करने, साझा करने और अपनी बात रखने के अधिकार पर असंगत प्रभाव पड़ता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109